प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-191 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शनिवार, 5 सितंबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

पांच साल में मथुरा का भूजल कहीं सुधरा तो कहीं गहराया

छह ब्लॉकों में भूजल सुधरा, तीन में बढ़ी गहराई

मथुरा में 4.11 मीटर तक सुधरा भूजल स्तर

यूनिक समय, मथुरा। जिले में पांच साल के दौरान भूजल स्तर की स्थिति में मिला-जुला बदलाव देखने को मिला है। वर्ष 2020 और 2025 के मानसून बाद के औसत आंकड़ों की तुलना में छह ब्लॉकों में भूजल की औसत गहराई कम हुई, जबकि तीन क्षेत्रों में पानी पहले से अधिक गहराई में पहुंच गया। आंकड़े बताते हैं कि जिले के कई हिस्सों में भूजल स्तर ऊपर आया है, लेकिन कुछ क्षेत्रों में लगातार गिरावट की स्थिति बनी हुई है।

सबसे बड़ा सुधार मथुरा विकास खंड में दर्ज किया गया। वर्ष 2020 में यहां मानसून बाद भूजल की औसत गहराई 10.39 मीटर थी, जो वर्ष 2025 में घटकर 6.28 मीटर रह गई। इस तरह पांच साल में 4.11 मीटर का सुधार दर्ज हुआ। मांट में भी भूजल 8.51 मीटर से घटकर 5.27 मीटर रह गया। यहां 3.24 मीटर का अंतर आया।

नौहझील में भूजल की औसत गहराई 9.84 मीटर से घटकर 6.39 मीटर हो गई। नंदगांव में यह 5.24 से घटकर 3.21 मीटर और राया में 6.43 से घटकर 4.93 मीटर रह गई। गोवर्धन में भी स्थिति बेहतर हुई। यहां 2020 में औसत गहराई 3.72 मीटर थी, जो 2025 में 1.94 मीटर दर्ज हुई। गोवर्धन के नीमगांव में 2025 में भूजल की गहराई महज 0.52 मीटर दर्ज की गई।

लघु सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता बलवीर सिंह का कहना है पांच साल के दौरान किसी ब्लाक क्षेत्र में भूजल स्तर कम हुआ है तो किसी में यह सुधरा भी है। कई क्षेत्रों में पांच साल में भूजल की गहराई कम हुई है, वहीं बलदेव, छाता और फरह में विपरीत रुझान सामने आया है। ऐसे में लोगों को वर्षा जल संरक्षण का काम करना चाहिए।

सबसे अधिक सुधार

मथुरा में 4.11 मीटर, जबकि सबसे कम सुधार राया में 1.50 मीटर रहा।
नोट- यह आंकड़े आगरा भूजल विभाग से लिए गए हैं।
बल्देव: 12.07 मीटर से बढ़कर 13.42 मीटर–1.35 मीटर की गिरावट
छाता: 2.25 मीटर से बढ़कर 5.25 मीटर–3.00 मीटर की गिरावट
फरह: 5.75 मीटर से बढ़कर 6.22 मीटर–0.47 मीटर की गिरावट
नोट- छाता में भूजल गिरावट सबसे अधिक 3 मीटर रही, जबकि बल्देव में 1.35 मीटर और फरह में 0.47 मीटर की गिरावट दर्ज हुई।

पांच साल का बदलाव एक नजर में

छह ऐसे ब्लॉक जहां भूजल स्तर में सुधार हुआ

ब्लॉक-2020-	2025 -बदलाव
मथुरा–10.39 से 6.28 मीटर	सुधार 4.11 मीटर
मांट– 8.51 से 5.27 मीटर	सुधार 3.24 मीटर
नौहझील– 9.84 से 6.39 मीटर	सुधार 3.45 मीटर
नंदगांव – 5.24 से 3.21 मीटर	सुधार 2.03 मीटर
राया – 6.43 से 4.93 मीटर	सुधार 1.50 मीटर
गोवर्धन – 3.72 से 1.94 मीटर	सुधार 1.78 मीटर

बल्देव, छाता और फरह में बढ़ी गहराई

इसके विपरीत बल्देव में भूजल 12.07 मीटर से बढ़कर 13.42 मीटर पहुंच गया। छाता में भी 2.25 मीटर से बढ़कर 5.25 मीटर और फरह में 5.75 से बढ़कर 6.22 मीटर औसत गहराई दर्ज की गई। यानी इन क्षेत्रों में वर्ष 2020 की तुलना में 2025 में भूजल अधिक गहराई पर मिला। आंकड़ों में भूजल की गहराई मीटर में दर्ज की गई है।

गोकुल में नंदोत्सव पर लाला की छीछी लूटने उमड़े श्रद्धालु

गोकुल में नंद उत्सव कार्यक्रम के दौरान उपहार लूटते श्रद्धालु।

गोकुल में नंद उत्सव कार्यक्रम के दौरान लाला की छीछी लुटाते सेवायत।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर नंद उत्सव में उपहार लुटाते सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा एवं सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी।

नंदभवन से निकले ठाकुरजी, गूंजे जय कन्हैया लाल के जयकारे

दही-हल्दी की छीछी पाने को श्रद्धालुओं में मची होड़

यूनिक समय, मथुरा। जन्माष्टमी के बाद शनिवार को गोकुल में नंदोत्सव का रंग चढ़ा। नंदबाबा के आंगन में जन्मे कन्हैया की खुशी में पूरा गोकुल झूम उठा। सुबह से ही गलियों में 'नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' के जयकारे गूंजते रहे। नंदभवन में ठाकुरजी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

गोकुल में कान्हा की जन्म की खुशी मनातीं श्रद्धालु महिलाएं।

नंदभवन नंदकिला स्थित मंदिर में सुबह सेवायत पुजारी मथुरा दास ने ठाकुरजी की आरती उतारी। आरती के बाद ठाकुरजी का डोला धूमधाम से निकाला गया। डोले में नंदबाबा और मां यशोदा के स्वरूप भी शामिल रहे। पारंपरिक वेशभूषा में सजे बच्चों के स्वरूप आकर्षण का केंद्र रहे। खुदाबक्श की शहनाई की गूंज से गोकुल की गलियां भक्तिरस में डूबी रहीं। ठाकुरजी का डोला नंदभवन से रतन चौक, गोकुलनाथजी मंदिर, राजा ठाकुर मंदिर और दाई वाले कुएं से होकर नंद चौक पहुंचा। यहां से डोला रास चबूतरा पहुंचा। ठाकुरजी को विराजमान कर नंदोत्सव की रस्में शुरू हुईं। सेवायत पुजारी छनिया पंडित ने ठाकुरजी को झूला झुलाया। इसके बाद पुजारियों ने लाला की 'छीछी' लुटाई। दही और हल्दी से तैयार छीछी को प्रसाद के रूप में पाने के लिए श्रद्धालुओं में होड़ मच गई। पुजारियों ने उपहार भी लुटाए। छीछी और उपहार पाने को बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग आगे बढ़ते रहे। देखते ही देखते रास चबूतरा जयकारों से गूंज उठा। भक्ति और उल्लास के बीच गोकुल में नंदोत्सव की खुशियां देर तक छाई रहीं।

ठाकुर बांकेबिहारी के दिव्य अभिषेक से निहाल हुए श्रद्धालु

आरती के बाद श्रृंगार में ठाकुर बांकेबिहारी।

ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में रात दो बजे आयोजित आरती में शामिल श्रद्धालु।

यूनिक समय, वृंदावन। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर कान्हा के जन्म की खुशी से पूरा वृंदावन भक्तिरस में डूबा रहा। ठा. बांकेबिहारी मंदिर में मध्यरात्रि ठाकुरजी का विधि–विधान से जन्माभिषेक किया गया। पर्दे की ओट में हुए अभिषेक में दूध, दही, घी, शहद, शक्कर, यमुनाजल, केवड़ा–गुलाबजल, इत्र, नवरत्न और औषधीय द्रव्यों का प्रयोग किया गया।

अभिषेक के बाद ठाकुरजी को बहुमूल्य नगों से जड़ित जरी की पोशाक धारण कराई गई। पाग, पंजीरी, मेवा, फल और दूध से बने मिष्ठान का भोग लगाया गया। जन्मोत्सव की खुशी में सेवायतों ने 21 किलो का मावा का केक काटा। रात 1:55 बजे मंगला आरती के दर्शन के लिए श्रद्धालु घंटों पहले से मंदिर के आसपास पहुंचने लगे। वर्ष 2023 में मंगला आरती के दौरान हुए हादसे को देखते हुए इस बार सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी रही। न्यायालय के निर्देशों के तहत उच्चस्तरीय समिति ने मंदिर में सीमित संख्या में श्रद्धालुओं के प्रवेश की व्यवस्था की। करीब 600 श्रद्धालुओं को प्रवेश पास जारी किए गए।

रात 1:55 बजे हुई मंगला आरती, उमड़ा भक्तों का सैलाब

सजीव प्रसारण से हजारों भक्तों ने किए आराध्य के दर्शन

मंदिर के बाहर भी भक्तों को आराध्य के दर्शन कराने के लिए विभिन्न स्थानों पर बड़ी स्क्रीन लगाई गईं। चबूतरे, विद्यापीठ चौराहा, किशोरपुरा तिराहा, जुगलघाट और जादौन पार्किंग पर सजीव प्रसारण के माध्यम से श्रद्धालुओं ने मंगला आरती के दर्शन किए। व्यवस्था संभालने के लिए डीएम चंद्रप्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने पुलिस बल के साथ मंदिर क्षेत्र का निरीक्षण किया। जगह–जगह निगरानी क्षेत्र बनाए गए। सीसीटीवी कैमरों, निगरानी मीनारों और उद्घोषणा प्रणाली से लगातार नजर रखी गई।

नंदगांव में आज गूंजेगी कान्हा जन्म की बधाई

नंदभवन सजेगा फूलों और रंगीन रोशनी से भव्य रूप में

बरसाना से आएंगे ग्वाल, नंदबाबा को देंगे बधाई

यूनिक समय, नंदगांव। मथुरा में कान्हा के जन्म के बाद अब शनिवार को नंदगांव में जन्माष्टमी का उल्लास छाएगा। नंदीश्वर पहाड़ी स्थित नंदभवन को जन्मोत्सव के लिए दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। मंदिर परिसर रंग–बिरंगी रोशनी और फूलों से जगमगा रहा है। नंदगांव की गलियों में भी कान्हा के जन्म की खुशियां नजर आने लगी हैं।

शनिवार सुबह से ही जन्माष्टमी पर नंदबाबा मंदिर में दिनभर धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन चला। रात करीब साढ़े आठ बजे भजन संध्या के बाद ब्रज की प्रसिद्ध ढांढ–ढांढिन लीला का मंचन किया जाएगा। इस लीला के माध्यम से नंदबाबा के घर लाला के जन्म की खुशी और बधाई देने आने वाले लोगों के उल्लास को जीवंत किया जाएगा। मध्यरात्रि में नंदभवन में श्रीकृष्ण जन्म के दर्शन होंगे। जन्म के बाद परंपरागत विधि–विधान से सवा मन पंचामृत सामग्री से ठाकुरजी का अभिषेक किया जाएगा। इस विशेष आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। रविवार को नंदोत्सव मनेगा।

कार्यक्रम में उद्धव गोस्वामी, कान्हा गोस्वामी, हेमंत गोस्वामी, बबलू गोस्वामी आदि मौजूद रहे।

बरसाना से आएंगे ग्वाल

नंदोत्सव से पहले बरसाना के ग्वाल शनिवार को नंदगांव पहुंचेंगे। नंदगांव के ग्वालों के साथ मिलकर समाज गायन के माध्यम से नंदबाबा और यशोदा मैया को लाला के जन्म की बधाई दी जाएगी। बरसाना से आए ग्वालों का बधाई के लड्डुओं से स्वागत किया जाएगा। नंदगांव और बरसाना के ग्वालों का यह पारंपरिक मिलन ब्रज की सांस्कृतिक विरासत का जीवंत स्वरूप है। यहां कृष्ण जन्म केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि पूरे ब्रज के साझा आनंद का पर्व बन जाता है। देशभर से श्रद्धालु नंदभवन पहुंचकर इस अनूठे उत्सव के साक्षी बनेंगे।

जैन समाज की महिलाओं ने जन्माष्टमी पर लगाया भंडारा

यूनिक समय, मथुरा। जन्माष्टमी पर जैन समाज की महिलाओं ने श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया। 22वें जैन तीर्थंकर नेमीनाथ भगवान के गृहस्थ अवस्था के चचेरे भाई श्रीकृष्ण के जन्मदिन के उपलक्ष्य में पचौरी गली, घीया मंडी में भंडारा लगाया गया।

विश्व प्रसिद्ध प्रवचन शैली के लिए प्रख्यात मनोज्ञाचार्य राष्ट्र संत पुलक सागर के निर्देशित मंच के माध्यम से आयोजित भंडारे में दर्शनार्थियों ने मिष्ठान और भोजन प्रसादी ग्रहण की। आयोजन में श्रद्धालुओं को प्रेमपूर्वक प्रसाद वितरित किया गया। आयोजन अखिल भारतीय महिला जागृति मंच की मथुरा शाखा के सहयोग से हुआ, जिसमें कुसुम जैन छाबड़ा, ध्रुव लता जैन, टिमा जैन, सुजाता जैन, नीना जैन, ममता जैन, वंदना जैन, सुमन लता जैन, जुली जैन, रैनू जैन, गीता जैन, रिचा जैन, इनू अग्रवाल, गरिमा जैन का विशेष सहयोग रहा।

भाकियू अराजनैतिक की जिला कार्यकारिणी घोषित

यूनिक समय, बाजना। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक की जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें संगठन के पदाधिकारियों की घोषणा की गई। जिलाध्यक्ष तिलक उपाध्याय ने कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों की जिम्मेदारी दी। जिसमें शिवकुमार तौमर को जिला मीडिया प्रभारी,उदयवीर सिंह को जिला संयोजक, लालसिंह तौमर को कोषाध्यक्ष, संदीप छौंकर को जिला प्रवक्ता, अमित चौधरी संगठन मंत्री, रोहिताश चौधरी जिला महासचिव, अवदेश कुमार तहसील अध्यक्ष मांट, रामू चौधरी तहसील अध्यक्ष महावन, भगवान सिंह तहसील अध्यक्ष मथुरा सदर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। संगठन के

शिवकुमार तौमर बने मीडिया प्रभारी

जिलाध्यक्ष तिलक उपाध्याय ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक किसानों के हितों के लिए लगातार संघर्ष करती आई है। कार्यकारिणी के विस्तार से किसानों की समस्याओं को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा। जिला मीडिया प्रभारी ने कहा कि संगठन ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका पूरी निष्ठा से निर्वहन करेंगे। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष राजकुमार तौमर,अवधेश रावत, हरिपाल सिंह, दीपक तौमर, मुकेश प्रधान, सहित वरिष्ठ पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं दी।

250 केवी ट्रांसफार्मर से कॉपर और तेल चोरी

यूनिक समय,मथुरा। हाईवे थाना क्षेत्र में अज्ञात चोरों ने 250 केवी के ट्रांसफार्मर को क्षतिग्रस्त कर उसके अंदर से कॉपर और तेल चोरी कर लिया। घटना 3/4 सितंबर की रात करीब दो बजे की बताई गई है। मामले में अवर अभियंता नवीन सिंह ठाकुर ने हाईवे थाने में तहरीर दी।

तहरीर के अनुसार, राधिका मीडोज नवविकसित कॉलोनी स्थित 250 केवी के दो नंबर ट्रांसफार्मरों में से एक को अज्ञात चोरों ने क्षतिग्रस्त कर दिया। इसके बाद चोर ट्रांसफार्मर के अंदर का कॉपर और तेल निकालकर ले गए। सूचना मिलने पर बिजली विभाग की ओर से पुलिस को शिकायत दी गई। हाईवे थाना पुलिस ने भारतीय विद्युत अधिनियम की मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच नितिन राठी को सौंपी गई है।

12 बजने से पहले आ गया घर का नन्हा कान्हा

यूनिक समय, मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि में जन्माष्टमी की रात मंदिरों में जहां आधी रात कान्हा के जन्म का उल्लास छाया रहा। वहीं, जिला महिला चिकित्सालय में भी नवजातों की किलकारियों ने माहौल को खुशियों से भर दिया। जन्माष्टमी की रात अस्पताल में तीन बेटों और दो बेटियों ने जन्म लिया। इनमें एक परिवार के लिए बच्चे का जन्म विशेष यादगार बन गया। परिजनों की इच्छा थी कि उनके घर बच्चे का जन्म भगवान श्रीकृष्ण के जन्म समय यानी रात 12 बजे से पहले हो जाए। उनकी इच्छा पूरी हुई तो परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, चार सितंबर की रात

से पांच सितंबर की रात 12 बजे तक जिला महिला चिकित्सालय में कुल पांच प्रसव हुए। इनमें तीन बेटों और दो बेटियों का जन्म हुआ। जन्माष्टमी के पावन अवसर पर नवजातों के जन्म से अस्पताल में भी उत्सव जैसा माहौल बना रहा।

प्रसव कराने वाली नर्सों के अनुसार एक महिला को प्रसव के लिए अस्पताल लाया गया था। उसके परिजनों ने बताया कि वह चाहते हैं कि बच्चे का जन्म रात 12 बजे से पहले हो, ताकि इसके बाद घर में जन्माष्टमी का पर्व मनाया जा सके। परिजनों की भावना को देखते हुए नर्सिंग स्टाफ ने प्रसूता की स्थिति पर नजर रखते हुए तत्परता से प्रसव कराया। रात 12 बजे से पहले बेटे के जन्म लेते ही परिजनों के चेहरे खिल उठे। हालांकि स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, पिछले वर्षों की तुलना में इस बार जन्माष्टमी की इस अवधि में प्रसव की संख्या कम रही। फिर भी पांच नवजातों की किलकारियों ने जन्माष्टमी की रात को अस्पताल के लिए भी खास बना दिया। मंदिरों में जहां कान्हा के जन्म का इंतजार था, वहीं अस्पताल में परिवार अपने–अपने नन्हे कान्हा और राधाओं के आगमन की खुशी मना रहे थे।

जन्माष्टमी की रात जिला महिला अस्पताल में तीन बेटे, दो बेटियों ने लिया जन्म

एक परिवार ने मांगी थी 12 बजे से पहले बच्चे के जन्म की मनोकामना

इंस्टाग्राम पर बेटी की फोटो पोस्ट करने पर मुकदमा

यूनिक समय, फरह। थाना फरह क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने अपनी बेटी की फोटो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए जाने को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के आधार पर थाना पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता ने बताया कि उसकी बेटी की फोटो 12 अगस्त को इंस्टाग्राम आईडी के माध्यम से पोस्ट की गई। आरोप है कि बार–बार मना करने के बावजूद फोटो पोस्ट की जाती रही, जिससे बेटी की सामाजिक छवि प्रभावित हो रही है। शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज किया। आरोपी सोनू गांव विचपुरी, जिला सवाई माधोपुर, राजस्थान दर्ज है। पुलिस अब इंटरनेट मीडिया पोस्ट और उससे जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है।

कहासुनी के बाद जेई पर चढ़ा दी कार, कुचलता गया चालक

कार के पहिये के साथ घिसटते अवर अभियंता।
स्त्रोत- इंटरनेट मीडिया

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोविंदनगर क्षेत्र के व्यस्त मसानी चौराहे पर कार की टक्कर के बाद हुए विवाद ने खौफनाक रूप ले लिया। आरोप है कि कहासुनी के बाद कार चालक ने ग्रामीण अभियंत्रण सेवा, छाता में तैनात अवर अभियंता विक्रांत भारती पर जान से मारने की नीयत से कार चढ़ा दी। टक्कर से सड़क पर गिरे जेई को कार काफी दूर तक घसीटती ले गई। इस दौरान कार के पहिए उनके ऊपर से गुजर गए। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कार का नंबर स्पष्ट दिखाई दे रहा है।

बताया गया है कि मसानी चौराहे पर विक्रांत भारती की कार में आगरा नंबर की कार ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद जेई ने कार चालक से वाहन में टक्कर लगने को लेकर सवाल किया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी और गर्मागर्मी हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर कार चालक ने अचानक जेई को कार से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी

टक्कर के बाद सड़क पर गिरे जेई को कार घसीटती ले गई

हत्या के प्रयास में चालक के खिलाफ मुकदमा, जांच में जुटी पुलिस

जोरदार थी कि वह सड़क पर गिर पड़े। इसके बाद चालक कार रोकने के बजाय उन्हें घसीटता हुआ आगे ले गया। पहिया ऊपर से गुजरने के कारण मौके पर मौजूद लोगों में अफरा–तफरी मच गई।

एसपी सिटी राजीव कुमार ने बताया कि कार की टक्कर के बाद दोनों पक्षों में कहासुनी हुई थी। इसके बाद चालक ने जेई को कार से टक्कर मार दी। मामले में गोविंदनगर थाने में हत्या के प्रयास की रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस वीडियो और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

किशोरी से बलात्कार करने वाला गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैंत पुलिस ने खेत पर काम करने के लिए गई एक नाबालिग के साथ दुराचार करने के मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, अभियुक्त जयकिशन उर्फ जैकिशन 2022 में गांव में हुए एक युवक के साथ झगड़े के दौरान युवक की छाती पर बैठकर अपनी उंगलियों से उसकी आंख निकाली थी। इस मामले में हत्या का प्रयास और अंग- भंग करने के मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। अभियुक्त

एक साल पहले जेल से छूट कर आया था अभियुक्त

इस मामले में जेल में निरुद्ध था। एक साल पहले जेल आने के बाद उसने फिर से आवारागर्दी शुरु कर दी। बताया गया कि उसने खेत में काम करती एक नाबालिग किशोरी को जबरन अपने साथ ले गया और उसके साथ दुराचार किया। इस मामले में अभियुक्त फरार चल रहा था। पुलिस ने इस मामले में वाटी मघेरा चौराहे के समीप से उसे आज गिरफ्तार कर लिया।

चलती ट्रेन से युवक को फैंक कर हत्या करने वाला गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। कासगंज मथुरा पैसेंजर में यात्रा के दौरान हुई कहासुनी को लेकर राया स्टेशन से आगे एक व्यक्ति को ट्रेन से नीचे फैंक दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। जीआरपी ने हत्या करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार किया है।

प्रभारी निरीक्षक जीआरपी मथुरा जंक्शन प्रदीप कुमार ने बताया कि कासगंज–मथुरा पैसेंजर में हाथरस से मथुरा की यात्रा के दौरान राया रेलवे स्टेशन से निकलने के बाद अभियुक्त गजेन्द्र निवासी ग्राम बभीगढ़, थाना बरला, जनपद अलीगढ़ का ट्रेन में यात्रा करने वाले एक यात्री से कहा सुनी हुई थी। इस पर गजेंद्र ने उसे चलती ट्रने से जान से मारने के इरादे

ट्रेन में हुई कहासुनी पर धक्का देकर फैंक दिया था नीचे

से चलती ट्रेन से धक्का देकर ट्रेन से गिरा दिया था। इस मामले में मृतक के भाई ने थाना जीआरपी में भाई की हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। हत्या का मुकदमा दर्ज करने के बाद पुलिस ने अभियुक्त के बारे में पूरी जानकारी की। इसके बाद अभियुक्त गजेंद्र को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार,उप निरीक्षक अमित बालियान, पुलिस टीम है।

फरह में चोरों का अंग्रेजी शराब ठेके पर धावा

यूनिक समय, फरह। कस्बा के अछनेरा रोड स्थित अंग्रेजी शराब और बीयर की दुकान पर रात को चोरों ने धावा बोल दिया। चोरों ने वहां रखी नकदी और वहां लगे केमरे की डीवीआर भी चोरी कर ले गए।

बताया गया कि अछनेरा रोड पर अंग्रेजी शराब के ठेके को रात में सेल्समैन बंद करने के बाद अपने घर को चला गया। प्रातः जब वह ठेके को खोलने के लिए आया तो वह यह देख कर दंग रह गया की ठेके का ताला टूटा हुआ है। इसके साथ ही वहां रखा सामान भी इधर–उधर बिखरा पड़ा है। यही नहीं वहां गल्ले में रखे बिक्री के 47 हजार 470 रुपये की नकदी भी गायब है। शराब की दुकान में हुई चोरी

चोरों ने वहां रखी नकदी, शराब और डीवीआर की चोरी

का पता लगते ही काफी संख्या में लोगों की भीड़ लग गई। पुलिस को भी इस बारे में बताया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। बताया गया है कि चोरों ने वहां रखे गल्ले से नकदी के अलावा वहां लगे केमरे की डीवीआर भी चोरी कर ली। चोर दुकान से शराब भी चोरी कर ले गए। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद आस–पास के लोगों से पूछताछ की। इस मामले में पुलिस को तहरीर दी गई है।

पत्नी को घर में घुसकर मारपीट का आरोप, छह के खिलाफ मुकदमा

यूनिक समय, फरह। थाना फरह क्षेत्र के ग्राम दौलतपुर निवासी एक युवक ने पत्नी को बहला–फुसलाकर ले जाने, घर में घुसकर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। युवक ने बताया कि उसकी शादी आगरा की युवती से हुई, दो बच्चे हैं। आरोप है कि गांव का रहने वाला कप्तान सिंह उसकी पत्नी को अपने साथ ले गया। आरोप है कि कप्तान सिंह ने पत्नी को अपने साथ रहने और शादी करने के लिए बहलाया–फुसलाया। युवक ने आरोप लगाया कि इसी आठ अप्रैल की रात करीब नौ बजे कप्तान सिंह दो साथियों के साथ मोटरसाइकिल से उसके घर आया और परिवार के लोगों से विवाद करते हुए धमकी दी। इसके बाद 31 अगस्त की रात करीब आठ बजे कप्तान सिंह और उसके साथ आए लोगों पर घर में घुसकर गाली–गलौज व मारपीट करने का आरोप लगाया गया है। शोर सुनकर पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे और बीच–बचाव किया। आरोपियों ने जाते समय शिकायतकर्ता और उसके परिवार को कार्रवाई करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी। मामले में कप्तान सिंह, तुलसी, बंटू, हुब्ब लाल और मेघ सिंह सहित दो अज्ञात साथियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

सीओ वृंदावन कार्यालय में तैनात किया स्टाफ

यूनिक समय,मथुरा। सरकार द्वारा नव गठित वृंदावन सर्किल के बनाए जाने के बाद एसएसपी ने सीओ के कार्यालय में स्टाफ की पोस्टिंग की है। एसएसपी ने वृंदावन सर्किल के सीओ कार्यालय के लिए स्टाफ की पोस्टिंग की है। उप निरीक्षक गिरजेश कुमार को क्षेत्राधिकारी सदर की पेशी से पेशकार सीओ वृंदावन, मुख्य आरक्षी मीरेश कुमार को जागृति सेल से वृंदावन सीओ की पेशी। मुख्य आरक्षी धर्मेंद्र सिंह व महिला कांस्टेबल वंदना गोस्वामी को क्षेत्राधिकारी साइबर की पेशी से वहां तैनात किया गया है। क्षेत्राधिकारी सदर की पेशी से कांस्टेबल प्रशांत रोहिला को भी सीओ वृंदावन कार्यालय में तैनात किया गया है।

त्योहार समाप्त होते ही शहर की जगमगाहट गायब

यूनिक समय, मथुरा। जन्माष्टमी का त्योहार समाप्त होते ही शहर की रोनक बनी लाइटों और सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों को दर्शाने वाले होर्डिंगों को प्रातः से ही उतारा जाने लगा। कल तक जिन सड़कों पर रौनक और लोगों का शोर था, आज से सूनी होने होने लगीं।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व को लेकर शहर में चौराहों के साथ–साथ सड़कों पर जिस तरह की सजावट की गई थी। उसे देख कर लगता था कि शहर हो तो ऐसा। रात भर सड़कों पर श्रीकृष्ण भगवान के जन्मोत्सव का हिस्सा बनने के लिए आने वाले लाखों श्रद्धालुओं द्वारा सड़को पर जय कन्हैयालाल का

हटने लगे सड़कों पर लगी लाइटें और होर्डिंग

तेज शोर सुनाई दे रहा था। रात भर सड़कों पर श्रद्धालुओं की आवागमन बना रहा।

मगर प्रातः होते होते लाइटों से गुलजार होने वाली सड़कों से लाइटों को उतारा जाने शुरू हो गया। इसके साथ मुख्यमंत्री के आगमन पर सरकार की योजनाओं की उपलब्धियां दर्शाने वाले सड़क किनारे लगाए जाने वाले होर्डिंगों को भी हटाया जाने लगा। इस तरह चौबीस घंटे पहले लाइटों के प्रकाश से चमकने वाली सड़कों पर फिर वहीं अंधेरा छाने लगा।

फैक्ट्री में बुलाए युवकों ने युवक से की मारपीट

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र में एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। मामले में पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर नामजद आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित नारायण सिंह निवासी गिरिराज फूड प्रोडेक्ट, सौंख रोड ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह अपने साथियों के साथ एक फैक्ट्री के पास खाना खाने गया था। आरोप है कि फैक्ट्री के अंदर मौजूद विजेन्द्र नामक युवक ने उसके पीछे से छह–सात लड़कों को बुलाया। कुछ देर बाद जब वापस फैक्ट्री पहुंचा तो वहां मौजूद लोगों से पूछताछ की। इसी दौरान विजेन्द्र द्वारा दोबारा युवकों को बुलाने का आरोप है। युवकों के पहुंचते ही पीड़ित के साथ मारपीट की गई। मारपीट में उसके चेहरे पर चोट लगने की बात कही गई है। पीड़ित और उसके साथियों ने विजेन्द्र को पकड़ लिया। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई।

50 फीट ऊंचे चिकने लठ्टे पर चढ़ने को पहलवानों में जोरदार मुकाबला

रंगजी मंदिर में चिकने लट्टे पर चढ़ते युवक।

शाम के समय हजारों श्रद्धालुओं ने जयकारों के बीच लिया आनंद

यूनिक समय, वृंदावन। रंगनाथ मंदिर में शनिवार शाम निर्धारित मुहूर्त पर नंदोत्सव के अंतर्गत ऐतिहासिक लट्टे का मेला आयोजित किया गया। करीब पौने दो सौ वर्ष पुरानी परंपरा के इस आयोजन में अंतर्यामी अखाड़े के पहलवानों ने मंदिर के पश्चिमी द्वार पर 50 फीट ऊंचे चिकने लट्टे पर चढ़ने का जौहर दिखाया। रोमांचक मुकाबला देखने के लिए हजारों श्रद्धालु मौजूद रहे और लगातार जयकारों के साथ पहलवानों का उत्साह बढ़ाते रहे।

इससे पहले शुक्रवार को श्री रंगनाथ मंदिर में रोहिणी नक्षत्र के अनुसार श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव मनाया गया। श्री गोपाल जी के विग्रह का पंचामृत अभिषेक कर आकर्षक श्रृंगार किया गया और ठाकुर जी को झूले में विराजमान कराया गया। भक्तों ने श्रद्धापूर्वक झूला झुलाया। शनिवार शाम ठाकुर रंगनाथ भगवान कदंब वृक्ष पर विराजमान होकर रथ से मंदिर के पश्चिमी द्वार पहुंचे। इसके बाद एक दर्जन से अधिक पहलवानों ने ठाकुर जी का आशीर्वाद लेकर चिकने लट्टे पर चढ़ना शुरू किया। पहलवान एक–दूसरे के कंधों पर सवार होकर ऊपर बढ़ते, तो मंदिर सेवक तेल मिश्रित पानी की बौछार कर उन्हें रोकते रहे। करीब 40 मिनट तक चले इस रोमांचक क्रम के बाद पहलवान मचान तक पहुंचने में सफल रहे। मंदिर प्रबंधन की ओर से पहलवानों को नारियल, विजय पताका और उत्तरीय भेंटकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मंदिर के स्वामी रघुनाथ, स्वामी पुरुषोत्तम, चौबे स्वामी, रंगा स्वामी, चंद्रपानी मिश्रा, अनघा श्रीनिवासन, आर कृष्णन तिरुपति राव, शरद शर्मा, लखन लाल पाठक आदि के अलावा पहलवान राधाकृष्ण, सुरेश सिंह, हरिमोहन सिंह, पवन सिंह, गिरधारी, जगदीश, चंद्रपाल,योगेश, अरुण, सुखदेव,सोनू, सुरेश, रतन, अरुण, हरेंद्र, अनुराग आदि मौजूद रहे।

आकाश में साकार हुईं कन्हैया की लीलाएं, श्रद्धालु रह गए चकित

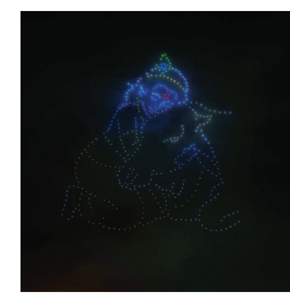

यूनिक समय, मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि में पहली बार जन्माष्टमी पर आयोजित ड्रोन शो ने श्रद्धालुओं को रोमांचित कर दिया। आकाश में जब कन्हैया की लीलाएं साकार हुईं तो हजारों लोगों की निगाहें आसमान पर टिक गईं।

पिछले तीन दिनों से कन्हैया की जन्म और लीला भूमि में जन्माष्टमी का उल्लास छाया हुआ है। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का साक्षी बनने आए श्रद्धालुओं के साथ ही ब्रजवासियों में भी अद्भुत उत्साह देखने को मिल रहा है। इसी उमंग और उत्साह को और बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की ओर से पहली बार ड्रोन शो का आयोजन किया गया। इसमें 500 ड्रोन ने हिस्सा लिया।

शाम होते ही लाखों लोगों की निगाहें आसमान की ओर टिक गई थीं, लेकिन बरसात का दौर शुरु होने के कारण लोग परेशान हो गए। करीब 9:00 बजे से शुरु हुई यह प्रतीक्षा रात 11.30 बजे तक रही। इसी दौरान कृष्ण जन्मस्थान के निकट किशोरी रमण कॉलेज के ऊपर अचानक आकाश में ड्रोन से बनी एक आकृति नजर आई। देखते ही देखते यह आकृति भगवान श्रीकृष्ण के स्वरूप में बदलने लगी और श्रद्धालु रोमांचित हो उठे।

बॉटलब डायनामिक्स ड्रोन शो में सबसे पहले आकाश में मोर पंख की आकृति नजर आई। इसके बाद यशोदा की गोद में कन्हैया और कन्हैया को लेकर यमुना पार करते वासुदेव और ऊपर शेषनाग का दृश्य साकार हुआ। इसके बाद ड्रोन शो का आकर्षण लगातार बढ़ता गया। आकाश में कभी माखन चोरी करते बाल कृष्ण नजर आए तो अगले ही पल माखन खाते कन्हैया और उन्हें ढूंढतीं मां यशोदा की आकृति दिखाई दी। फिर गाय को दुलार करते कृष्ण कन्हैया का मनोहारी दृश्य भी श्रद्धालुओं के सामने साकार हुआ। सुदर्शन चक्रधारण किए भगवान श्रीकृष्ण और बांसुरी बजाते मुरारी की आकृतियों ने भी लोगों का मन मोह लिया। इस तरह 12 से अधिक आकृतियों ने लोगों का मन मोह लिया।

आकाश में एक के बाद एक साकार होतीं भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं को देखकर श्रद्धालु अभिभूत नजर आए। ड्रोन शो के समापन पर आकाश में उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के प्रति आभार की प्रस्तुति भी की गई। इस दौरान 500 ड्रोन का संचालन कर रही टीम से बोटलैब डायनेमिक्स के मांशु डबास को उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की सीईओ लक्ष्मी नागप्पन ने भी सम्मानित किया।

वीडियो वायरल करने की धमकी देकर मांगी रंगदारी, तीन के खिलाफ मुकदमा

यूनिक समय, कोसीकलां। इंटरनेट मीडिया पर वीडियो वायरल करने की धमकी देकर रंगदारी मांगने और मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

शिकायतकर्ता कैलाश निवासी रामनगर ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि एक व्यक्ति सुब्बा उर्फ रोहित निवासी ठैनगेट थाना कोसीकलां उसके घर के आगे वाली गली में रोजाना कई चक्कर लगाता था। विरोध करने पर वह गाली–गलौज कर चला गया। 17 अगस्त की शाम करीब सात बजे आरोपी दो अज्ञात साथियों के साथ उसके पास आया और उसके साथ थप्पड़- चप्पल से मारपीट की। आरोप है कि इनमें से एक युवक वीडियो बनाने लगा और धमकी दी कि कैलाश की मारपीट की वीडियो की सीरीज बनाई जाएगी। इसके बाद आरोपियों ने कथित वीडियो वायरल करने की धमकी देते हुए प्रतिमाह 10 हजार रुपये देने की मांग की।

शिकायतकर्ता के मुताबिक, डर के कारण उसने तत्काल शिकायत नहीं की। आरोप है कि चौथ के रुपये नहीं देने पर उसकी वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल कर उसे बदनाम किया गया। इसके बाद एक सितंबर की रात करीब 10:30 बजे घंटाघर के पास आरोपियों ने उसे रोककर कथित रूप से तमंचा दिखाते हुए 10 हजार रुपये की मांग की और धमकी दी। राहगीरों के हस्तक्षेप से वह बच सका।

ससुराल के गेट पर बैठी विवाहिता, प्रवेश का इंतजार

यूनिक समय, फरह। थाना क्षेत्र के गांव झुड़ावई में विवाहिता के ससुराल के बाहर धरने पर बैठने का मामला सामने आया है। विवाहिता ममता राणा का आरोप है कि वह दो सितंबर को ससुराल पहुंची थी, लेकिन ससुराल वालों ने उसे घर में प्रवेश नहीं करने दिया। कमरों और मुख्य गेट पर ताला लगाकर वे चले गए। इसके बाद से वह पिछले चार दिनों से मुख्य गेट के बाहर बैठकर घर खुलने का इंतजार कर रही है। पीड़िता का आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोग रुपये का लालच देकर उस पर तलाक लेने का दबाव बना रहे हैं। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू की है। थाना प्रभारी छोटेलाल ने बताया कि मामला काफी समय से न्यायालय में विचाराधीन है। इसमें दहेज और हिंसा के आरोप शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर राधा कृष्ण नृत्य ने मोहा मन

रतन लाल फूल कटोरी देवी विद्यालय की प्रधानाचार्य नीता सिंह को सम्मानित करते हुए शिक्षक।

यूनिक समय, मथुरा। रतन लाल फूल कटोरी देवी विद्यालय में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और शिक्षक दिवस समारोह भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। प्रधानाचार्य डॉ. नीता सिंह, कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. जमुना शर्मा, मुख्य अतिथि सुमन चौधरी, विशिष्ट अतिथि नीलम अग्रवाल और मुख्य वक्ता प्रेमा पानू उपस्थित रहीं। जूनियर और सीनियर कक्षाओं की छात्राओं ने मनमोहक राधा–कृष्ण नृत्य प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। शिक्षक दिवस पर भी छात्राओं ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियां दीं। मुख्य वक्ता प्रेमा पानू ने शिक्षकों के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. जमुना शर्मा ने छात्राओं को सत्य, कर्म और धर्म के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।

आझई खुर्द में महिला से छेड़छाड़, धमकी का आरोप

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैत क्षेत्र के ग्राम आझई खुर्द में एक महिला ने गांव के ही दो लोगों पर छेड़छाड़, अश्लील वीडियो बनाने, धमकी देने और मारपीट का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता निवासी ग्राम आझई खुर्द थाना जैत ने आरोप लगाया कि गांव का रामू महिलाओं का वीडियो बनाकर उन्हें धमकाता था। 16 जुलाई की शाम करीब सात बजे पीड़िता अपनी पड़ोस की महिलाओं के साथ खेत की ओर गई थीं। इसी दौरान रामू पर उनका वीडियो बनाने का आरोप है।

युवती को बहला फुसलाकर ले जाने का आरोप

यूनिक समय, मथुरा। थाना शेरगढ़ क्षेत्र के गांव भौगांव निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी तहरीर में अपनी पुत्री को बहला–फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया है। घटना एक सितंबर की रात करीब एक बजे की है। आरोप है कि गांव बैकुंठपुर, थाना सुहवल, जिला गाजीपुर निवासी विशाल पुत्र चन्द्रिका, जो गांव में पराली की खेती कर रहा था, उनकी पुत्री को बहला–फुसलाकर अपने साथ ले गया। घर से जाते समय मंजू अपने साथ चांदी की तीन जोड़ी पायल, करीब दो तोले चांदी के कुंडल और 55 हजार रुपये नकद भी ले गई। मामले की सूचना मिलने पर थाना शेरगढ़ पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आलू भंडारण पर किसानों को मिलेगा सरकारी अनुदान

यूनिक समय, मथुरा। आलू की खेती करने वाले किसानों के लिए राहत भरी खबर है। आलू के भाव में गिरावट से होने वाले नुकसान को कम करने और किसानों को उनकी उपज सुरक्षित रखने में मदद देने के लिए उद्यान विभाग ने दो योजनाएं शुरू की हैं। इनमें भामाशाह भाव स्थिरता योजना और निजी शीतगृहों में भंडारित आलू के भंडारण किराए पर अनुदान की व्यवस्था की गई है।

योजना का लाभ लेने के लिए किसानों को उद्यान विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा।

भाव गिरने पर किसानों को आर्थिक सहायता का प्रावधान

शीतगृह में रखे आलू के किराए पर भी मिलेगी राहत

पंजीकरण के दौरान किसान को अपना मोबाइल नंबर, आधार कार्ड, बैंक पासबुक और खतौनी से संबंधित विवरण उपलब्ध कराना होगा। विभाग ने किसानों से पंजीकरण के समय सभी जानकारी सही दर्ज करने की अपील की है, ताकि योजना का लाभ लेने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि भामाशाह भाव स्थिरता योजना के तहत बाजार में आलू का भाव निर्धारित स्तर से नीचे जाने पर पात्र किसानों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इससे किसानों को कम कीमत पर आलू बेचने की मजबूरी से राहत मिल सकेगी। योजना के तहत एक किसान को अधिकतम 200 कुंतल आलू तक का लाभ दिया जाएगा। इसके अलावा निजी शीतगृहों में भंडारित आलू के भंडारण किराए पर भी किसानों को अनुदान मिलेगा। इससे लंबे समय तक आलू सुरक्षित रखने वाले किसानों पर आने वाला आर्थिक बोझ कम होगा। उद्यान विभाग ने किसानों से योजना का लाभ लेने के लिए समय से ऑनलाइन पंजीकरण कराने को कहा है। विभाग का मानना है कि योजनाओं से किसानों को बाजार भाव में उतार–चढ़ाव के दौरान आर्थिक सुरक्षा मिलेगी और उन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य पाने में मदद मिलेगी।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक–पवन गौतम

फोन नंबर–0565–3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

गुरुजनों के सम्मान में सजा जीएलए परिसर, उत्साह से मना शिक्षक दिवस

जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा में शिक्षक दिवस कार्यक्रम के अवसर पर कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता, सीएफओ डा. विवेक अग्रवाल, साथ हैं शिक्षकगण ।

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा में शिक्षक दिवस पर विभिन्न विभागों में उत्साह और उमंग के साथ कार्यक्रम आयोजित किए गए। कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, आईबीएम विभाग, बीएड सहित विश्वविद्यालय के सभी विभागों में शिक्षकों और विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कुलपति और चीफ फाइनेंस ऑफिसर और विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करते हुए विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों में सहभागिता की।

शिक्षक दिवस पर जीएलए विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता, चीफ फाइनेंस ऑफिसर डॉ. विवेक अग्रवाल और डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. हिमांशु शर्मा की उपस्थिति रही। इस दौरान शिक्षकों और विद्यार्थियों ने केक काटकर शिक्षक दिवस की खुशियां साझा कीं और गुरुजनों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। कार्यक्रम में शिक्षकों के समर्पण, मार्गदर्शन और विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों में केक काटकर शिक्षक दिवस की खुशियां साझा की गईं।

कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान देने का कार्य नहीं करते, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है चीफ फाइनेंस ऑफिसर डॉ. विवेक अग्रवाल ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के जीवन को सही दिशा देने वाले मार्गदर्शक होते हैं। शिक्षक का प्रभाव केवल कक्षा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उनके विचार और मार्गदर्शन विद्यार्थियों के भविष्य को प्रभावित करते हैं।

डीन स्टूडेंट वेलफेयर, डॉ. हिमांशु शर्मा ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के लिए ज्ञान, प्रेरणा और मार्गदर्शन के स्त्रोत होते हैं। शिक्षक दिवस विद्यार्थियों को अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने का विशेष अवसर प्रदान करता है। कार्यक्रमों में विद्यार्थियों ने शिक्षकों के सम्मान में विभिन्न प्रस्तुतियां दीं और उनके साथ केक काटकर इस विशेष दिन को यादगार बनाया। कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, आईबीएम विभाग, शिक्षा विभाग और बीएड समेत विश्वविद्यालय के सभी विभागों में शिक्षक और विद्यार्थी उत्साहपूर्वक शामिल हुए।

कान्हा माखन ग्रुप ऑफ स्कूल्स में मनाया गया शिक्षक दिवस

कान्हा माखन ग्रुप ऑफ स्कूल में शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को सम्मानित करते ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल।

यूनिक समय,मथुरा। कान्हा माखन ग्रुप ऑफ स्कूल्स की विभिन्न शाखाओं में शिक्षक दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के सम्मान में गीत, नृत्य, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और विभिन्न मनोरंजक गतिविधियां प्रस्तुत कीं।

कान्हा माखन पब्लिक स्कूल, सरस्वती कुंड सहित कान्हा माखन किड्स प्राइड, महोली रोड, वृंदावन, कोसी, कान्हा माखन मिलेनियम, ओमैक्स और टाउनशिप शाखाओं में भी शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया गया। विद्यार्थियों ने शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उन्हें शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर निदेशक अनिल अग्रवाल,सचिव सुनील अग्रवाल,मनीष अग्रवाल,शुभम अग्रवाल,पुनीत अग्रवाल, हिमांशु अग्रवाल,आकाश अग्रवाल,प्रतीक अग्रवाल, ललित अग्रवाल सभी शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं। वहीं विद्यालय के प्रधानाचार्यों, उपप्राचार्यों और शैक्षणिक प्रमुखों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के ज्ञान, संस्कार और उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

परिषदीय विद्यालयों में गुरुजनों के सम्मान में सजे स्कूल

रांची बांगर स्थित प्राथमिक विद्यालय में छात्रा को सम्मानित करतीं प्रधानाध्यापिका सुनीता गुप्ता।

प्राथमिक विद्यालय चैनपुरा में आयोजित कला प्रतियोगिता में शिक्षक और विद्यार्थी।

बच्चों ने उपहार और ग्रीटिंग कार्ड देकर शिक्षकों का बढ़ाया मान

यूनिक समय, मथुरा। शिक्षक दिवस पर शनिवार को जिले के परिषदीय विद्यालयों में गुरु-शिष्य परंपरा की झलक देखने को मिली। कहीं बच्चों ने शिक्षकों को उपहार दिए तो कहीं स्वयं शिक्षक बनकर कक्षाओं में पढ़ाया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में बच्चों ने उत्साह से भाग लिया और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। विद्यालयों में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर उन्हें नमन किया गया।

प्राथमिक विद्यालय चैनपुरा, चौमुंहा में प्रधानाध्यापिका ऊषा पचौरी ने मां शारदे और डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्पार्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कला, भाषण और निबंध प्रतियोगिताओं में बच्चों ने प्रतिभा दिखाई। बच्चों ने शिक्षकों को उपहार देकर सम्मानित किया। इस दौरान प्रियंका पांडे और अभिभावक मौजूद रहे। प्राथमिक विद्यालय रांची बांगर, नगर क्षेत्र मथुरा में प्रधानाध्यापिका सुनीता गुप्ता ने बच्चों को शिक्षक दिवस के महत्व की जानकारी दी। विद्यालय परिवार ने डॉ. राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण किया। बच्चों ने स्वयं बनाए ग्रीटिंग कार्ड शिक्षकों को भेंट किए और शिक्षक बनकर कक्षाओं में शिक्षण कार्य किया। इस मौके पर अर्चना, रजनी, गोविंद सिंह, हिमांतिका, अनीता रानी अग्रवाल और आंगनबाड़ी स्टाफ मौजूद रहा।

टीईटी के विरोध में शिक्षकों ने बांधी काली पट्टी

यूनिक समय, मथुरा। शिक्षक दिवस पर जहां परिषदीय विद्यालयों में गुरुजनों के सम्मान में कार्यक्रम हुए, वहीं जिले के कई विद्यालयों में शिक्षकों ने टीईटी के विरोध में काली पट्टी बांधकर शिक्षक दिवस मनाया गया। विद्यालयों में दिनभर शिक्षक दिवस और विरोध का मिला-जुला असर दिखाई दिया।

आरआईएस के छात्र-छात्राओं ने शिक्षकों का अभिनंदन कर लिया आशीष

शिक्षक दिवस पर डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के कृतित्व और व्यक्तित्व को किया नमन

छात्र-छात्राओं में अच्छे गुणों का विकास करना ही शिक्षक का दायित्व डॉ. रामकिशोर अग्रवाल

उत्साह और उमंग के बीच शिक्षक दिवस मनाते राजीव इंटरनेशनल स्कूल के छात्र-छात्राएं।

यूनिक समय, मथुरा। राजीव इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को शिक्षक दिवस पर छात्र-छात्राओं ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के कृतित्व और व्यक्तित्व को नमन करते हुए अपने गुरुजनों का स्वागत और अभिनंदन किया। शुभारम्भ प्राचार्य नंदिता ढींगरा ने दीप प्रज्वलित करके किया।

राजीव इंटरनेशनल स्कूल के छात्र-छात्राओं ने मनमोहक कार्यक्रमों के बीच शिक्षक दिवस मनाया। छात्र-छात्राओं ने न केवल नयनाभिराम प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीता, बल्कि अपने गुरुजनों को बैज और उपहार भेंटकर उनका अभिनंदन किया तथा उनसे आशीष लिया। प्राचार्य नंदिता ढींगरा ने कहा कि एक मां जहां अपने बच्चों को संस्कारवान बनाती है वहीं शिक्षक बच्चों को शिष्टाचार सिखाते हुए उनका बौद्धिक विकास करते हैं।

आर.के. एजूकेशनल ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने सभी गुरुजनों को शिक्षक दिवस की बधाई देते हुए अपने संदेश में कहा कि शिक्षक होना अपने आप में गर्व और गौरव की बात है। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि शिक्षकों का कार्य केवल बच्चों को शिक्षित करना ही नहीं बल्कि उनमें अच्छे गुणों का विकास करना भी है। उन्होंने कहा कि गुरु के बिना ज्ञान की प्राप्ति असम्भव है। गुरु, शिष्य की न सिर्फ खामियों को सुधारता है बल्कि उसके पूरे व्यक्तित्व को भी निखारता है।

स्कूल चेयरमैन मनोज अग्रवाल ने अपने संदेश में कहा कि शिक्षक दीपक के समान होते हैं जो स्वयं जलकर अपनी रोशनी से सबको प्रकाशित करते हैं। उन्होंने कहा कि यह दिन शिक्षकों को सम्मानित करने और समाज में उनके अमूल्य योगदान को पहचानने के लिए समर्पित है। साथ ही यह दिन शिक्षा के महत्व और हमारे जीवन को आकार देने में शिक्षकों के प्रभाव की भी याद दिलाता है।

शिक्षक दिवस पर गुरुजनों के सम्मान में दिखा नंदोत्सव सा उत्साह

छात्रों ने चंदा जुटाकर शिक्षकों को दिए गिफ्ट

बैग भरकर घर ले गए अध्यापक

यूनिक समय, मथुरा। शिक्षक दिवस पर जिले के निजी स्कूलों में गुरुजनों के सम्मान का उत्सव नंदोत्सव जैसा नजर आया। सुबह से ही विद्यालयों में शिक्षक दिवस को लेकर छात्र-छात्राओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। बच्चों ने अपने शिक्षकों को सम्मानित करने के लिए आपस में चंदा जुटाया और अपनी सामर्थ्य के अनुसार उपहार खरीदकर उन्हें भेंट किए। किसी छात्र ने शिक्षक को पेन और डायरी दी तो किसी ने चॉकलेट, कॉफी और अन्य उपयोगी सामान देकर गुरुजनों का सम्मान किया। निजी स्कूलों में शिक्षक दिवस के लिए छात्रों ने करीब 100 से 300 रुपये तक चंदा एकत्र किया। इसके बाद बाजार से शिक्षकों के लिए अलग-अलग तरह के उपहार खरीदे गए। बच्चों ने अपने पसंदीदा शिक्षकों को उपहार दिए। शिक्षकों के सम्मान में बच्चों ने कोई कमी नहीं छोड़ी। दिनभर स्कूलों में कहीं उपहार देने तो कहीं शिक्षकों को शुभकामनाएं देने का सिलसिला चलता रहा। स्थिति यह रही कि शिक्षक दिवस का कार्यक्रम समाप्त होने के बाद कई अध्यापक अपने बैग उपहारों से भरकर घर ले जाते नजर आए।

ग्रामीणों ने प्रदूषण को लेकर किया जोरदार विरोध प्रदर्शन

सरकार से टायर प्लांटों को बंद कराने की मांग करते हुए की जमकर नारेबाजी

सीएम के नाम ज्ञापन माधवदास मोनी बाबा को सौंपा

टायर प्लांटों को बंद कराने के लिए मुख्यमंत्री के नाम माधवदास मोनी बाबा को ज्ञापन सौंपते ग्रामीण।

यूनिक समय, कोसीकलां। नवीपुर इंडस्ट्रियल एरिया में चल रहे टायर पायरोलिसिस प्लांटों से फैले जहरीले प्रदूषण से त्रस्त नवीपुर के ग्रामीणों का सब्र शनिवार को जवाब दे गया। ज्ञापन देने से पूर्व सैकड़ों ग्रामीणों ने इंडस्ट्रीज एरिया में जोरदार विरोध प्रदर्शन निकालकर सरकार से टायर प्लांटों को बंद कराने की मांग करते हुए नारेबाजी की। शनिवार को बड़ी संख्या में महिला–पुरुष हाथों में तख्तियां लेकर इंडस्ट्रीज एरिया पहुंचे और टायर प्लांट बंद करो, हमें जीने दो, जहरीली फैक्ट्री नहीं चलेगी' जैसे नारे लगाते हुए मार्च किया। ग्रामीणों ने कहा कि काले धुएं और बदबू ने उनका जीना मुहाल कर दिया है, इसलिए सरकार तुरंत सभी टायर प्लांटों को बंद कराए। प्रदर्शन के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने ठाकुर श्रीब्रजभूषण मंदिर के महंत माधवदास (मोनी बाबा) राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अखिल भारतीय श्री पंच दिगम्बर अनी अखाडा को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया कि इस प्रदूषण की वजह से नवीपुर गांव के लगभग 25 निवासियों की कैंसर से मौत हो चुकी है, कई अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं। घरों की दीवारें, छतें और गाड़ियां तक जहरीली कालिख से काली पड़ गई हैं। भूजल और हवा दोनों ही रहने लायक नहीं बचे हैं।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि प्रदूषण विभाग को कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई, बल्कि नए प्लांटों को अनुमति दी जा रही है। ग्रामीणों ने सीएम योगी से चार मांगें रखी हैं, जिनमें प्रदूषण फैलाने वाले प्लांटों की मंजूरी की जांच, जीरो–एमिशन गाइडलाइंस का उल्लंघन करने वाली सभी यूनिट्स बंद हों, पीड़ितों के इलाज के लिए मेडिकल टीम भेजी जाए और पानी–हवा की गुणवत्ता की तत्काल जांच कराई जाए। इस दौरान ग्राम प्रधान नवीपुर प्रतिनिधि सरजीत सिंह उर्फ भालू प्रधान, डा. उदयचंद, चंदन मैंबर, गोविंद मुखिया, भगतसिंह उर्फ बच्चू, ऋषिराज, संजीव कुमार, केवल सिंह, बैनीराम, डालचंद, योगेश, रविकांत, राजेश, प्रेम जाटव, गोविंद, करन सिंह, मदन, गुरुदेव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

पुर्जे जोड़कर ड्रोन बना रहे एनसीसी कैडेट्स, सीख रहे तकनीक

प्रशिक्षण के दौरान ड्रोन के पुर्जे खोलकर जोड़ना सीखते कैडेट्स।

उड़ान के साथ निर्माण और मरम्मत का भी मिल रहा प्रशिक्षण

श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स जाएंगे कानपुर शिविर

यूनिक समय, मथुरा। 11 यूपी बटालियन एनसीसी की ओर से आयोजित सीएटीसी–48 ड्रोन प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिता शिविर में कैडेट्स को अब केवल ड्रोन उड़ाने ही नहीं, बल्कि उसे तैयार करने और तकनीकी खराबी दूर करने का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

शिविर के छठे दिन कैडेट्स ने ड्रोन के विभिन्न पुर्जों की पहचान कर उन्हें सही क्रम में जोड़कर पूरा ड्रोन तैयार करना सीखा। कैंप कमांडेंट कर्नल विक्रांत त्यागी के नेतृत्व में चल रहे शिविर में प्रशिक्षण अधिकारी हुकम सिंह प्रजापति ने बताया कि कैडेट्स को ड्रोन तकनीक का व्यावहारिक ज्ञान देने पर विशेष जोर है।

विशेषज्ञों ने उन्हें ड्रोन के प्रत्येक हिस्से की उपयोगिता और कार्यप्रणाली समझाई। इसके बाद कैडेट्स ने ड्रोन को खोलकर उसके सभी घटकों की जांच और तकनीकी खराबी तलाशने का अभ्यास किया।

प्रशिक्षण के लिए ड्रोन विशेषज्ञ अनुज कुशवाह, ड्रोन पायलट अंजली यादव और प्राची को आमंत्रित किया गया। विशेषज्ञों ने कैडेट्स को पुर्जे जोड़ने, कनेक्शन जांचने, खराबी का कारण पता करने और आवश्यक सुधार करने की प्रक्रिया समझाई।

शिविर में प्रतियोगिता के तहत कैडेट्स के तकनीकी ज्ञान, निर्माण, मरम्मत और उड़ान कौशल का लगातार मूल्यांकन भी किया जा रहा है।

बेहतर प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स का चयन कानपुर में होने वाले अगले प्रशिक्षण शिविर के लिए किया जाएगा।

इस दौरान कैप्टन गोविंद, सूबेदार मेजर राजविंदर सिंह, जीसीआई गायत्री सोरोत और ट्रेनिंग जेसीओ तेजेंद्र बहादुर गुरुंग मौजूद रहे।

सिटी फिटनेस क्लब एंड ताइक्वांडो एकेडमी का आगाज

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर के बंसल टावर, निकट आईटीसीडब्ल्यू अरिहंत इंटरनेशन एकेडमी में शनिवार को सिटी फिटनेस क्लब एंड ताइक्वांडो एकेडमी का शुभारंभ हर्षोल्लास के साथ हुआ। शिक्षक दिवस पर हुए इस शुभारंभ को महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष कुश्ती संघ उत्तर प्रदेश-जिला उपाध्यक्ष भाजपा कमल किशोर वार्ष्णेय रहे। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर एकेडमी का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में कमल किशोर वार्ष्णेय ने कहा कि आज के दौर में महिलाओं का शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि फिटनेस जहां शरीर को स्वस्थ रखता है, वहीं ताइक्वांडो जैसी मार्शल आर्ट बेटियों को आत्मरक्षा के लिए आत्मनिर्भर बनाती है। कोसीकलां जैसे कस्बे में इस प्रकार की अत्याधुनिक एकेडमी का खुलना युवाओं, विशेषकर बेटियों के लिए वरदान साबित होगा। इस अवसर पर नगर के कई गणमान्य व्यक्ति, समाजसेवी, खिलाड़ी, अभिभावक और बड़ी संख्या में महिलाएं- युवतियां उपस्थित रहीं।

भाजपा नेता डॉ. अमर सिंह पौनिया ने 200 घरों में बांटी कन्हैया की तस्वीर

यूनिक समय, कोसीकलां। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर भाजपा ओबीसी मोर्चा ब्रज क्षेत्र उपाध्यक्ष डॉ. अमर सिंह पौनिया ने नगर में जनसंपर्क अभियान चलाकर लगभग 200 घरों और दुकानों पर भगवान श्रीकृष्ण की तस्वीर भेंट की और जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं।

महिला दुकानदार को कान्हा की तस्वीर भेंट करते डा. अमर सिंह पौनिया।

इस दौरान डॉ. पौनिया ने लोगों से कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने धर्म की स्थापना और अधर्म के विनाश का जो संदेश दिया था, आज उसी मार्ग पर केवल भारतीय जनता पार्टी चल रही है। भाजपा ही श्रीकृष्ण के आदर्शों, गीता के कर्मयोग और सनातन संस्कृति की रक्षा करने वाली इकलौती पार्टी है। ब्रज का विकास और सनातन का सम्मान केवल भाजपा में ही संभव है।

कोसीकलां में फिसलन भरी मिट्टी पर पहलवानों ने दिखाए दांव

कोसीकलां की अनाज मंडी में आयोजित दंगल में कुश्ती लड़ते पहलवान।

अनाज मंडी में हुआ दंगल

बारिस में भी नहीं टूटा पहलवानों का हौसला

यूनिक समय, कोसीकलां। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में शनिवार को कृषि अनाज मंडी परिसर में विराट कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया। बारिश के कारण अखाड़े की मिट्टी गीली और फिसलन भरी हो गई थी, इसके बावजूद पहलवानों के उत्साह में कोई कमी नहीं आई।

दंगल का शुभारंभ मंत्री प्रतिनिधि विवेक चौधरी ने अखाड़े में पहलवानों का हाथ मिलवाकर किया। हाथ मिलते ही पहलवान अखाड़े में भिड़ गए और दांव–पेंच का दौर शुरू हो गया। दंगल में हरियाणा, राजस्थान सहित आसपास के क्षेत्रों से आये अखाड़ों के नामी पहलवानों ने भाग लिया। फिसलन भरी मिट्टी पर पहलवानों ने अपने दांव–पेंच दिखाकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं।

मंत्री प्रतिनिधि विवेक चौधरी ने कहा कि कुश्ती ब्रज की पहचान और पुरानी परंपरा है। द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं मल्ल युद्ध किया था। आज भी यह परंपरा ब्रज के अखाड़ों में जीवित है, जो युवाओं को स्वस्थ रहने और नशे से दूर रहने की प्रेरणा देती है। दंगल देखने के लिए अनाज मंडी में दिनभर भीड़ लगी रही।

देर शाम तक चले दंगल में विजेता पहलवानों को आयोजन समिति द्वारा नगद पुरस्कार और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

एम डी जैन पब्लिक स्कूल का परिसर तालियों से गूंजा

शिक्षक दिवस पर कार्यक्रम में मौजूद छात्र–छात्राएं और शिक्षक।

शिक्षक दिवस पर गूंजा गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु

गुरुजनों को किया गया सम्मानित

यूनिक समय, कोसीकलां। जब छात्र बने शिक्षक और शिक्षकों का हुआ सम्मान ऐसा ही भावुक नजारा शनिवार को एम डी जैन पब्लिक स्कूल में शिक्षक दिवस समारोह में देखने को मिला।

कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य डॉ. नरेन्द्र कुमार शर्मा और उपप्राचार्य नगेन्द्र कुमार पालीवाल ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ की तो पूरा परिसर गुरु–वंदना से गूंज उठा।

वरिष्ठ शिक्षक रमेश चन्द और रबीना को पटका और स्मृति चिन्ह भेंट कर 'उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान' से सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर दोनों शिक्षकों की आंखें नम हो गईं। प्राचार्य डॉ. नरेन्द्र कुमार शर्मा ने कहा कि गुरु ही वह शिल्पकार है जो मिट्टी रूपी छात्र को आकार देता है। शिक्षक शिव शंकर पांडेय ने अपनी स्वरचित कविता के माध्यम से गुरु के बिना जीवन अधूरा है, का संदेश दिया तो पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा।

नरेश कुमार मिश्रा, पूनम गोयल, दीपक वर्मा, प्रवीण कुमार, मुकेश पाण्डेय, भूदेव शर्मा, कविता अग्रवाल, रजनी वर्मा, बीना चौधरी, मोनिका, चांदनी गोस्वामी सहित समस्त शिक्षकगण मौजूद रहे।

वहीं, राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित एसपीएस इंटरनेशनल एकेडमी में कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य राजेंद्र राव ने सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन के चित्र पर दीप प्रज्वलन के साथ किया। छात्र–छात्राओं ने शिक्षकों के सम्मान में मनमोहक गीत, नृत्य और भाषण प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। छात्रों ने अपने गुरुजनों को उपहार देकर और तिलक लगाकर सम्मानित किया।

प्रधानाचार्य राजेंद्र राव ने कहा कि शिक्षक ही राष्ट्र का निर्माता होता है। इस दौरान सभी शिक्षकगण एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

सुविचार

अपने लक्ष्य पर ध्यान दो, लोगों की बातों से विचलित होकर रास्ता मत बदलो।

कल का पंचांग

तिथि	दशमी	09:54-07:29 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	आर्द्रा	09:30-07:52 तक	माह	भाद्रपद
सूर्योदय		6:11 AM	चन्द्रोदय	12:28 AM
सूर्यास्त		6:40 PM	चंद्रास्त	03:05 PM
सूर्य राशि		सिंह राशि	चंद्र	मिथुन राशि
शुभ मुहूर्त		12:03PM –12:51 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:34-05:22
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		05:06 PM: 06:40 PM	वार	रविवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

पितरों का आशीर्वाद पाने का अवसर, 27 सितंबर से प्रारंभ होंगे पितृ पक्ष

यूनिक समय, मथुरा। अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और उनके प्रति श्रद्धा अर्पित करने का पावन अवसर पितृ पक्ष के रूप में आता है। इस वर्ष पितृ पक्ष की शुरुआत 27 सितंबर, रविवार से होगी।

आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि से शुरू होने वाले इस पक्ष में लोग अपने दिवंगत परिजनों की स्मृति में

प्रतिपदा श्राद्ध में कुतुप मुहूर्त रहेगा विशेष

सर्वार्थ सिद्धि योग में होगी पितृ पक्ष की शुरुआत

श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान और दान–पुण्य करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि श्रद्धापूर्वक किए गए इन कर्मों से पितरों की तृप्ति होती है और उनका आशीर्वाद परिवार को प्राप्त होता है।

पंचांग के अनुसार आश्विन कृष्ण प्रतिपदा तिथि 26 सितंबर की रात 10 बजकर 18 मिनट से शुरू होगी और 27 सितंबर की रात 8 बजकर 58 मिनट तक रहेगी। उदयातिथि के अनुसार पितृ पक्ष का आरंभ 27 सितंबर से माना जाएगा। इसी दिन प्रतिपदा श्राद्ध किया जाएगा। जिन परिजनों का निधन किसी माह की प्रतिपदा तिथि को हुआ है, उनका श्राद्ध पितृ पक्ष की प्रतिपदा तिथि पर करने की परंपरा है।

प्रतिपदा श्राद्ध के दिन कुतुप मुहूर्त सुबह 11 बजकर 48 मिनट से दोपहर 12 बजकर 36 मिनट तक रहेगा। इसकी अवधि 48 मिनट होगी। इसके बाद रौहिणी मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 36 मिनट से 1 बजकर 24 मिनट तक रहेगा। इस दौरान पितरों के निमित्त तर्पण, श्राद्ध और पिंडदान करना शुभ माना जाता है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

पितृ पक्ष के पहले दिन सर्वार्थ सिद्धि योग भी रहेगा। यह योग सुबह 6 बजकर 12 मिनट से 11 बजकर 8 मिनट तक रहेगा। वहीं वृद्धि योग सुबह 11 बजकर 17 मिनट तक रहेगा, इसके बाद ध्रुव योग बनेगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष केवल कर्मकांड का समय नहीं, बल्कि पूर्वजों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर भी है। जिस तिथि को किसी परिजन का निधन हुआ हो, उसी तिथि पर श्रद्धापूर्वक श्राद्ध करने की परंपरा है। माना जाता है कि इससे पितृ ऋण से मुक्ति मिलती है और परिवार में सुख–शांति एवं समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है।

कब–कब होगा श्राद्ध

तारीख	श्राद्ध
26 सितंबर	पूर्णिमा श्राद्ध
27 सितंबर	प्रतिपदा श्राद्ध
28 सितंबर	द्वितीया श्राद्ध
29 सितंबर	तृतीया श्राद्ध
30 सितंबर	चतुर्थी श्राद्ध
1 अक्टूबर	पंचमी श्राद्ध
2 अक्टूबर	षष्ठी श्राद्ध
3 अक्टूबर	सप्तमी श्राद्ध
4 अक्टूबर	अष्टमी श्राद्ध
5 अक्टूबर	नवमी श्राद्ध
6 अक्टूबर	दशमी श्राद्ध
7 अक्टूबर	एकादशी श्राद्ध
8 अक्टूबर	द्वादशी श्राद्ध
9 अक्टूबर	त्रयोदशी/चतुर्दशी श्राद्ध
10 अक्टूबर	सर्वपितृ अमावस्या

कल का राशिफल

मेष: कल कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। रुके काम पूरे होंगे और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार का सहयोग मिलेगा।

वृषभ: कल धन लाभ के अवसर बनेंगे। कारोबार में नई योजनाएं सफल होंगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन खर्च नियंत्रित रखें।

मिथुन: कल मेहनत का पूरा लाभ मिलेगा। नौकरी में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। मित्रों से महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

कर्क: कल परिवार में सुख–शांति रहेगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। यात्रा का अवसर बन सकता है, सावधानी रखें।

सिंह: कल आत्मविश्वास बढ़ेगा और कार्यक्षेत्र में सम्मान मिलेगा। नई जिम्मेदारी मिल सकती है। निवेश में जल्दबाजी से बचें।

कन्या: कल महत्वपूर्ण कार्य समय पर पूरे होंगे। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी।

तुला: कल व्यापार में लाभ के योग हैं। नौकरी में प्रगति मिलेगी। परिवार के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा।

वृश्चिक: कल कोई पुरानी समस्या दूर होगी। धन संबंधी मामलों में सफलता मिलेगी।

धनु: कल नए अवसर मिलेंगे और भाग्य आपका साथ देगा। रुका धन प्राप्त हो सकता है। यात्रा शुभ और लाभदायक रहेगी।

मकर: कल कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी। वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक मामलों में सोच–समझकर निर्णय लेना बेहतर होगा।

कुंभ: कल मन प्रसन्न रहेगा और नई योजनाएं बनेंगी। व्यापार में लाभ मिलेगा। पारिवारिक रिश्तों में प्रेम और सहयोग बढ़ेगा।

मीन: कल किसी महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा और मन शांत रहेगा।

खड़े होकर पानी पीने से क्यों किया जाता है परहेज

बैठकर जल ग्रहण करने की रही है पुरानी परंपरा

धार्मिक मान्यताओं में जल को मिला विशेष महत्व

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय सनातन परंपरा में जल को जीवन का आधार होने के साथ–साथ पवित्र तत्व भी माना गया है। यही कारण है कि प्राचीन समय से पानी पीने के तरीके को लेकर भी कुछ नियम और मान्यताएं प्रचलित हैं। घर के बड़े–बुजुर्ग अक्सर बैठकर और शांत भाव से पानी पीने की सलाह देते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार

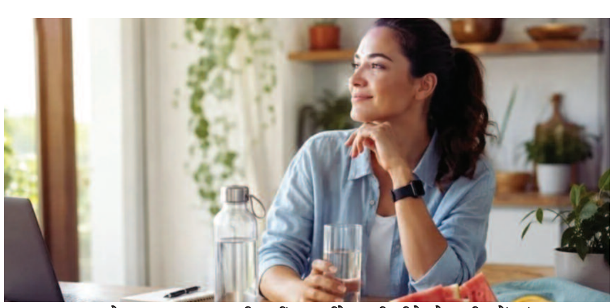

जल ग्रहण करते समय जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। बैठकर पानी पीने की परंपरा को संयम, शांति और जल के प्रति सम्मान से जोड़कर देखा जाता है। वहीं, खड़े होकर पानी पीना कुछ परंपराओं में जल के प्रति अनादर या अशिष्टता का प्रतीक माना गया है। पारंपरिक मान्यताओं में जल को शरीर के महत्वपूर्ण तत्वों में शामिल किया गया है। माना जाता है कि बैठकर धीरे–धीरे पानी पीने से शरीर में संतुलन बना रहता है और मन भी शांत रहता है।

आयुर्वेदिक दृष्टिकोण में भी पानी को आराम से और उचित मात्रा में पीने पर जोर दिया गया है। हालांकि, खड़े होकर पानी पीने से किडनी, जोड़ों या आंतों को नुकसान होने जैसे दावों के पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाण नहीं हैं। इसलिए इन्हें धार्मिक और पारंपरिक मान्यता के रूप में ही समझना चाहिए।

पूजा में कौन सा तिलक लगाना माना जाता है सबसे शुभ

चंदन से लेकर केसर तक हर तिलक का महत्व

देवी–देवताओं की पूजा में अलग तिलक की है परंपराएं

यूनिक समय, मथुरा। सनातन परंपरा में तिलक को धार्मिक आस्था, शुभता और एकाग्रता का प्रतीक माना गया है। पूजा–पाठ और मांगलिक अवसरों पर अलग–अलग सामग्री से बने तिलक लगाने की परंपरा रही है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार प्रत्येक तिलक का अपना विशेष महत्व होता है।

चंदन का तिलक भगवान विष्णु और श्रीकृष्ण की पूजा में विशेष रूप से लगाया जाता है। इसे शांति और शीतलता का प्रतीक माना जाता है। केसर का तिलक शुभता, ज्ञान और समृद्धि से जुड़ा माना जाता है। वहीं रोली–कुमकुम का तिलक मंगल, सौभाग्य और शक्ति का प्रतीक माना जाता है।

गोरोचन का तिलक पारंपरिक रूप से पीले रंग का होता है और इसे बुद्धि, शुभता तथा आध्यात्मिक ऊर्जा से जोड़ा जाता है। अष्टगंध का प्रयोग विशेष धार्मिक अनुष्ठानों में किया जाता है। भगवान शिव की आराधना में भस्म या विभूति का विशेष महत्व है, जबकि वैष्णव परंपरा में गोपी चंदन लगाया जाता है।

मान्यता है कि तिलक लगाने से मन पूजा में एकाग्र होता है और धार्मिक भाव मजबूत होता है।

घर से निकलते समय शुभ कार्य के लिए जरूर रखें जेब में इलायची

यूनिक समय, मथुरा। इलायची का इस्तेमाल आमतौर पर चाय, मिठाई और विभिन्न व्यंजनों का स्वाद और सुगंध बढ़ाने के लिए किया जाता है। हालांकि भारतीय परंपरा में इसे केवल मसाले के रूप में ही नहीं देखा जाता, बल्कि वास्तु और ज्योतिष से जुड़ी मान्यताओं में भी इसका विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि घर से बाहर निकलते समय जेब या पर्स में इलायची रखना शुभ होता है। खासकर किसी महत्वपूर्ण काम, यात्रा, मुलाकात या नौकरी के लिए साक्षात्कार देने जाते समय इसे साथ रखने की सलाह दी जाती है।

ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार इलायची का संबंध शुक्र और बुध ग्रह से माना जाता है। शुक्र को सुख, आकर्षण और समृद्धि का कारक माना जाता है, जबकि बुध बुद्धि, संवाद और

विवेक से जुड़ा ग्रह है। इसी वजह से इलायची को आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और प्रभावी संवाद से जोड़कर देखा जाता है। हालांकि इन दावों का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है और इन्हें धार्मिक एवं ज्योतिषीय विश्वास के रूप में ही देखा जाना चाहिए। मान्यता है कि घर से निकलने से पहले दो या तीन हरी इलायची की फलियां साफ करके जेब या पर्स में रखी जा सकती हैं। ऐसा करने से सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है और व्यक्ति का मन शांत रहता है। कुछ ज्योतिषीय मान्यताओं में इलायची को नकारात्मक ऊर्जा से बचाव और मानसिक उलझन कम करने वाला भी माना गया है। इसी कारण साक्षात्कार, व्यापारिक बैठक या किसी महत्वपूर्ण कार्य पर जाते समय इसे साथ रखने की सलाह दी जाती है। ज्योतिष में राहु–केतु को भ्रम, अनिश्चितता और मानसिक तनाव से जोड़कर देखा जाता है। मान्यता है कि इलायची रखने से इनके अशुभ प्रभाव कम हो सकते हैं और निर्णय लेने में स्पष्टता बनी रहती है। दिन समाप्त होने के बाद इलायची को बदलने या सामान्य रूप से उपयोग कर लेने की भी परंपरा बताई गई है। हालांकि सफलता के लिए मेहनत, तैयारी और आत्मविश्वास को ही सबसे महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए।

इलायची को शुक्र–बुध से जोड़ती हैं ज्योतिषीय मान्यताएं

इंटरव्यू और महत्वपूर्ण काम से पहले रखना माना जाता है शुभ

सम्पादकीय

यूपी में विकास की कीमत अब कमीशन तय करेगा

उत्तर प्रदेश में विकास की तस्वीर अगर सड़क, नाली और स्ट्रीट लाइट से बनती है, तो अब उसके पीछे एक और रंग दिखाई दे रहा है–कमीशन का। एक अखबार की जांच रिपोर्ट के अनुसार, विधायक निधि से विकास कार्यों की अनुशंसा के बदले दो विधायकों पर कथित रूप से कमीशन मांगने और रकम लेने के गंभीर आरोप सामने आए हैं। आरोपों में एक भाजपा और एक सपा विधायक का नाम सामने आया है। मामला सही है या गलत, इसका फैसला जांच में होना चाहिए, लेकिन रिपोर्ट ने व्यवस्था पर बड़ा सवाल जरूर खड़ा कर दिया है।

पवन गौतम
संपादक

विधायक निधि जनता के विकास के लिए होती है। सड़क बननी है तो जनता के लिए, नाली बननी है तो जनता के लिए और रोशनी करनी है तो जनता के लिए। मगर यदि इन कामों के बीच प्रतिशत का खेल शुरू हो जाए तो विकास का गणित बड़ा विचित्र हो जाता है। जितना बड़ा काम, उतना बड़ा कथित कमीशन और जनता के हिस्से में वही पुराना आश्वासन!

रिपोर्ट के अनुसार, छिपे कैमरे के सामने कमीशन की कथित बातचीत भी सामने आई। कहीं 35 प्रतिशत की चर्चा हुई तो कहीं 50 प्रतिशत अग्रिम की मांग का आरोप है। सोचिए, विकास कार्य शुरू होने से पहले ही यदि रकम का इतना बड़ा हिस्सा रास्ते में कट जाए तो सड़क की मजबूती और नाली की गहराई आखिर कितनी बचेगी? शायद यही कारण है कि हमारे यहां कई सड़कें उद्घाटन के कुछ समय बाद ही विकास की असली कहानी सुनाने लगती हैं।

स्कैन करें
संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

विडंबना यह भी है कि जनता विधायक को क्षेत्र की समस्याएं दूर करने के लिए चुनती है, लेकिन यदि अनुशंसा-पत्र भी कथित लेन-देन की चौखट पार करके मिले तो लोकतंत्र की प्राथमिकताएं उलट जाती हैं। जनप्रतिनिधि जनता और शासन के बीच पुल होना चाहिए, कथित कमीशन का चौकीदार नहीं।

इन आरोपों की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच जरूरी है। आरोप सही पाए जाएं तो कठोर कार्रवाई हो और गलत हों तो संबंधित लोगों को भी स्पष्ट रूप से जवाबदेह ठहराया जाए। साथ ही विधायक निधि की पूरी प्रक्रिया सार्वजनिक और पारदर्शी होनी चाहिए।

उत्तर प्रदेश को विकास का प्रतिशत नहीं, विकास का परिणाम चाहिए। जनता को ऐसी सड़क चाहिए जिस पर चलने के लिए कमीशन नहीं, केवल वाहन चाहिए। यही सुशासन की असली परीक्षा है।

नजरिया

महानगर भागते रहे, छोटे शहर चुपचाप लिखते रहे कहानियां

बोध प्रकाश सगुणी

बड़े शहरों की चमक–दमक ने लंबे समय तक यह भ्रम बनाए रखा कि असली जिंदगी वहीं बसती है, जहां ऊंची इमारतें हों, चौड़ी सड़कें हों, रात भी दिन की तरह जगमगाती हो और हर आदमी समय से दो कदम आगे भाग रहा हो। लेकिन अब साहित्य और सिनेमा ने धीरे–धीरे इस भ्रम की गर्द झाड़नी शुरू कर दी है। कहानियां महानगरों की चकाचौंध से निकलकर उन छोटे शहरों, कस्बों और शहर से कुछ किलोमीटर दूर बसे इलाकों तक पहुंच रही हैं, जहां जिंदगी अभी भी अपनी धीमी चाल में सांस लेती है। नीलेश रघुवंशी का उपन्यास 'शहर से दस किलोमीटर' इसी बदलाव की ओर संकेत करता है। भोपाल से कुछ दूर की दुनिया में साइकिल केवल आने–जाने का साधन नहीं रह जाती, वह समय की सवारी बन जाती है। वह हमें उस दौर में ले जाती है, जब बचपन के पैर सचमुच पंख हुआ करते थे और सड़कें किसी मंजिल से ज्यादा रोमांच हुआ करती थीं। आज के बच्चों के पास चमकदार साधन हैं, लेकिन उस साइकिल वाली आजादी का हिसाब शायद किसी मोबाइल की घंटी में नहीं मिलता।

साइकिल का यहां अपना सामाजिक अर्थ भी है। वह केवल गरीबी या मजबूरी की निशानी नहीं, बल्कि स्वतंत्रता, गति और अपने रास्ते खुद चुनने की इच्छा का प्रतीक है। खासकर उस समय की लड़कियों के लिए, जब साइकिल चलाना आज जैसी सामान्य बात नहीं थी। एक लड़की का साइकिल पर बेफिक्र होकर निकलना अपने आप में सामाजिक दीवारों पर छोटी–सी चोट थी। वह चोट शायद किसी भाषण से ज्यादा प्रभावी थी, क्योंकि उसमें घोषणा नहीं, जीवन था।

छोटे शहरों की यही खूबी है। यहां जीवन के पास दिखाने के लिए कम और सुनाने के लिए ज्यादा होता है। अजमेर की गलियों से लेकर बरेली, धनबाद, मिर्जापुर और ऐसे न जाने कितने कस्बों तक, जिंदगी की अपनी गंध है, अपनी रफ्तार है और अपनी बेचैनी भी। खुले नालों की बदबू के बीच किताब लेने जाना और पूरे दिन साइकिल किराये पर लेकर घूमना आज की पीढ़ी को शायद किसी पुराने चलचित्र का दृश्य लगे। मगर उस समय की खुशी किसी महंगे मनोरंजन केंद्र से खरीदी नहीं जाती थी।

दरअसल छोटे शहरों की सबसे बड़ी पूंजी उनकी फुरसत थी। घड़ी चलती थी, लेकिन जिंदगी घड़ी के पीछे नहीं भागती थी। आज महानगरों में समय बचाने के लिए ऐसे–ऐसे उपकरण हैं कि आदमी के पास समय बच ही नहीं गया। कुछ मिनट बचाने के लिए लोग तेज वाहन खरीदते हैं और फिर वही समय जाम में खड़े होकर गंवा देते हैं। छोटे शहर में शायद यात्रा लंबी होती थी, लेकिन बातचीत के लिए समय था। आज रास्ते छोटे हो गए हैं, पर बातचीत दूर चली गई है।

यही वह अंतर है, जिसे साहित्य पकड़ने लगा है। विनोद कुमार शुक्ल, सारा राय और नीलेश रघुवंशी जैसे लेखकों की दुनिया में छोटे शहर किसी अधूरे महानगर की तरह नहीं आते। वे अपनी स्वतंत्र पहचान के साथ आते हैं। वहां के लोग महानगर बनने की नकल जरूर करते हैं, लेकिन पूरी तरह महानगर होना नहीं चाहते। यही विरोधाभास उनकी कहानियों को जीवंत बनाता है।

सिनेमा ने भी छोटे शहरों की ओर कदम बढ़ाया है। 'बरेली की बर्फी', 'तनु वेड्स मनु' और 'बंटी और बबली' जैसी फिल्मों ने कस्बों और छोटे शहरों को पर्दे पर जगह दी। लेकिन समस्या यह है कि फिल्मों ने अक्सर छोटे शहर की बेचैनी को हास्य में बदल दिया। वहां का संघर्ष हंसी पैदा करता है, चिंता नहीं। लड़की की महत्वाकांक्षा मजाक बन जाती है, लड़के की बेचैनी मनोरंजन और परिवार की उलझन हास्य का कारण।

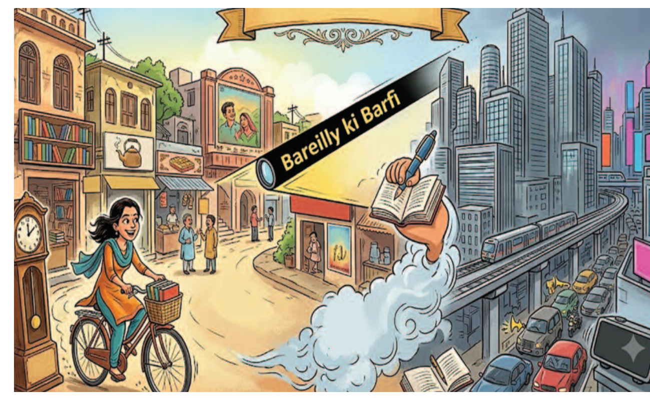

शायद छोटे शहर की असली कहानी इससे कहीं गंभीर है। यहां मध्यम वर्ग की नई आकांक्षाएं जन्म ले रही हैं। उसे बेहतर शिक्षा चाहिए, नौकरी चाहिए, सुविधा चाहिए, प्रतिष्ठा चाहिए और महानगर जैसी जिंदगी भी चाहिए। लेकिन वह अपनी जड़ों को पूरी तरह छोड़ भी नहीं सकता। यही खींचतान छोटे शहर की असली कथा है। एक ओर परंपरा है, दूसरी ओर महत्वाकांक्षा। एक तरफ परिवार की उम्मीदें हैं, दूसरी तरफ व्यक्ति की अपनी उड़ान।

इसलिए छोटे शहर को केवल गांव और महानगर के बीच की सीढ़ी मानना गलत होगा। वह अपने आप में एक अलग सामाजिक संसार है। वह ऐसा पड़ाव नहीं, जहां से हर किसी को महानगर की ट्रेन पकड़नी ही हो। कई लोग वहीं रहकर अपनी दुनिया बनाते हैं, संघर्ष करते हैं, प्रेम करते हैं, सपने देखते हैं और कभी–कभी उन सपनों पर हंसते भी हैं।

विडंबना यह है कि जिस छोटे शहर को लंबे समय तक पिछड़ेपन की निशानी समझा गया, आज वही हमारी कहानियों को नया जीवन दे रहा है। महानगरों की एक जैसी इमारतों और एक जैसे जीवन के बीच कस्बों की विविधता अधिक रोचक लगने लगी है। वहां अभी भी गलियों के नाम याद रहते हैं, लोग एक–दूसरे को पहचानते हैं और किसी के घर की खबर सामाजिक समाचार बन जाती है।

लेकिन सावधान! छोटे शहर भी अब तेजी से बदल रहे हैं। जिस फुरसत पर उनकी पहचान टिकी थी, वह बाजार और महानगरीय महत्वाकांक्षा निगल रही है। साइकिल की जगह मोटरसाइकिल और फिर कार आ गई। किराये की किताबों की जगह मोबाइल आ गया। मोहल्ले की बातचीत की जगह सामाजिक माध्यमों की टिप्पणियां आ गईं। अब कस्बा भी महानगर बनने की दौड़ में शामिल है।

फिर भी उम्मीद बची है। क्योंकि कहानी केवल जगह की नहीं, नजर की होती है। जब लेखक साइकिल के पहिये में समय को देख लेता है, तब छोटा शहर अचानक बहुत बड़ा हो जाता है। और शायद यही साहित्य की सबसे बड़ी ताकत है–वह उन आवाजों को सुन लेता है, जिन्हें विकास की तेज रफ्तार अक्सर पीछे छोड़ देती है।

छोटे शहर अब हमारी कहानियों में हाशिये पर खड़े पात्र नहीं हैं। वे स्वयं कथा के केंद्र में आ रहे हैं। शायद इसलिए नहीं कि वे महानगर बनने की राह पर हैं, बल्कि इसलिए कि वे हमें याद दिला रहे हैं–जिंदगी की असली रफ्तार हमेशा तेज होना जरूरी नहीं। कभी–कभी साइकिल पर धीरे–धीरे चलना ही सबसे दूर तक ले जाता है।

विचार विंडो

शिक्षक केवल पाठ नहीं, जीवन का अर्थ भी सिखाते हैं

योगेश कुमार गोयल

आज शिक्षा के क्षेत्र में सबसे बड़ी चिंता यह नहीं रह गई है कि बच्चे को ज्ञान मिल रहा है या नहीं, बल्कि यह हो गई है कि वह पढ़ाई में कितने अंक ला रहा है, किस प्रतिष्ठित संस्थान में प्रवेश पा रहा है और भविष्य में कितना बड़ा पद हासिल करेगा। अभिभावकों की आकांक्षाएं स्वाभाविक हैं। हर माता–पिता अपने बच्चे को सफल और आत्मनिर्भर देखना चाहते हैं। लेकिन क्या ऊंचे अंक, बड़ी डिग्री और प्रतिष्ठित पद ही जीवन की सफलता का अंतिम मापदंड हैं? निश्चित रूप से नहीं। शिक्षा का असली उद्देश्य व्यक्ति को केवल योग्य बनाना नहीं, बल्कि उसे विवेकशील, संवेदनशील, जिम्मेदार और अच्छा इंसान बनाना भी है। यही वह स्थान है, जहां शिक्षक की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है।

भारत में प्रत्येक वर्ष पांच सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। यह दिन भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति और द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए समर्पित है। पांच सितंबर 1888 को जन्मे डॉ. राधाकृष्णन ने अपने जीवन का लंबा समय अध्यापन और शिक्षा को समर्पित किया। उन्होंने विभिन्न प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में दर्शनशास्त्र का अध्यापन किया और अपनी विद्वता तथा सरल शिक्षण शैली से विद्यार्थियों के बीच विशेष स्थान बनाया। वर्ष 1954 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक भारत रत्न प्रदान किया गया।

डॉ. राधाकृष्णन का जीवन इस बात का उदाहरण है कि शिक्षक केवल विषय का ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं होता। वह विद्यार्थी के व्यक्तित्व को दिशा देने वाला मार्गदर्शक भी होता है। गंभीर से गंभीर विषय को सरल और रोचक ढंग से समझाने की उनकी क्षमता विद्यार्थियों को विषय के साथ जीवन के मूल्यों से भी जोड़ती थी। उनका मानना था कि शिक्षा का लक्ष्य मनुष्य के भीतर नैतिकता, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना पैदा करना होना चाहिए।

आज तकनीक ने ज्ञान के साधनों को बेहद आसान बना दिया है। मोबाइल, कंप्यूटर और इंटरनेट के माध्यम से कुछ ही क्षणों में दुनिया भर की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। विद्यार्थी अनेक विषयों को स्वयं भी सीख सकते हैं। इसके बावजूद एक अच्छे शिक्षक का महत्व कम नहीं हुआ है। सूचना उपलब्ध कराना और ज्ञान का सही अर्थ समझाना दो अलग बातें हैं। इंटरनेट जानकारी दे सकता है, लेकिन कौन–सी जानकारी उपयोगी है, उसका जीवन में किस प्रकार प्रयोग किया जाए और कठिन परिस्थितियों में सही निर्णय कैसे लिया जाए, यह समझ एक संवेदनशील शिक्षक ही विकसित कर सकता है।

एक शिक्षक को समाज का शिल्पकार इसलिए कहा जाता है, क्योंकि वह कच्ची प्रतिभा को आकार देता है। जैसे कुम्हार मिट्टी को गढ़कर सुंदर पात्र बनाता है और शिल्पकार पत्थर को तराशकर कलाकृति में बदल देता है, उसी प्रकार शिक्षक विद्यार्थी की प्रतिभा, सोच और व्यक्तित्व को दिशा देता है। एक शिक्षक के शब्द कभी–कभी विद्यार्थी के पूरे जीवन की दिशा बदल देते हैं। इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जहां किसी गुरु के मार्गदर्शन ने साधारण प्रतिभा को असाधारण उपलब्धि तक पहुंचाया।

आज शिक्षा व्यवस्था के सामने सबसे बड़ी चुनौती भी यही है कि प्रतियोगिता की दौड़ में मानवीय मूल्यों को पीछे न छूटने दिया जाए। बच्चों पर अच्छे अंक लाने, दूसरों से आगे निकलने और हर क्षेत्र में श्रेष्ठ साबित होने का दबाव बढ़ता जा रहा है। ऐसी स्थिति में यदि शिक्षा केवल प्रतिस्पर्धा सिखाएगी तो समाज में सहयोग, सहानुभूति और संवेदनशीलता का भाव कमजोर हो सकता है। इसलिए विद्यालयों और महाविद्यालयों में पुस्तकीय ज्ञान के साथ ईमानदारी, अनुशासन, सहिष्णुता, सहयोग, सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवीय संवेदना का विकास भी आवश्यक है।

शिक्षा का अर्थ केवल रोजगार प्राप्त करने की तैयारी नहीं है। शिक्षा वह शक्ति है, जो व्यक्ति को सही और गलत के बीच अंतर समझने की क्षमता देती है। वह उसे परिस्थितियों का सामना करने, असफलता से सीखने और दूसरों के दुख को समझने का विवेक देती है। ज्ञान यदि चरित्र से नहीं जुड़ा तो वह अधूरा है। बड़ी डिग्री हासिल करने वाला व्यक्ति यदि अपने माता–पिता, समाज और देश के प्रति जिम्मेदार नहीं है तो उसकी शिक्षा का उद्देश्य पूरा नहीं माना जा सकता।

इस दृष्टि से शिक्षक दिवस हमें शिक्षकों को धन्यवाद देने के साथ–साथ शिक्षा की दिशा पर आत्ममंथन करने का अवसर भी देता है। हमें यह तय करना होगा कि हम आने वाली पीढ़ी को केवल सफल बनाना चाहते हैं या श्रेष्ठ मनुष्य भी। यदि बच्चों के भीतर ज्ञान के साथ संस्कार, विवेक और करुणा विकसित होगी तो वही पीढ़ी परिवार, समाज और राष्ट्र को मजबूत बनाएगी।

डॉ. राधाकृष्णन का शिक्षा–दर्शन आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उनका विश्वास था कि शिक्षक राष्ट्र के भविष्य को आकार देने वाले वास्तविक निर्माता हैं। इसलिए शिक्षक का सम्मान केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहना चाहिए। शिक्षक के प्रति सच्चा सम्मान यही होगा कि हम शिक्षा को उसके व्यापक उद्देश्य के साथ समझें और ऐसी व्यवस्था विकसित करें, जिसमें विद्यार्थी ज्ञानवान होने के साथ चरित्रवान भी बनें।

शिक्षक जीवन की राह में वह दीपक है, जो स्वयं प्रकाश देता है और दूसरों को भी प्रकाश की दिशा दिखाता है। आज जरूरत इस बात की है कि उस दीपक की रोशनी को केवल कक्षा तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उसे जीवन के हर क्षेत्र तक पहुंचाया जाए। तभी शिक्षक दिवस मनाने का उद्देश्य वास्तव में सार्थक होगा।

दुबई में स्पिनर्स का दबदबा, टॉस पर भी रहेंगी सबकी नजरें

भारत-पाकिस्तान महामुकाबले में पिच बनेगी गेमचेंजर

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीमें 5 सितंबर को महिला टी20 एशिया कप 2026 के महामुकाबले में आमने-सामने होंगी। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।

इस हाई-वोल्टेज मैच को लेकर खिलाड़ियों के प्रदर्शन के साथ-साथ दुबई की पिच पर भी सभी की नजरें रहेंगी। टीम इंडिया अपने शुरुआती दोनों मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर चुकी है, जबकि पाकिस्तान के लिए यह मैच बेहद अहम है। ऐसे में पिच का मिजाज और टॉस का फैसला मुकाबले की दिशा तय करने में बड़ी भूमिका निभा सकता है। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में इस टूर्नामेंट के अब तक 8 मुकाबले खेले जा चुके हैं। इन मैचों के आंकड़ों पर नजर डालें तो पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम का पलड़ा भारी रहा है। 8 में से 6 मुकाबलों में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीत हासिल करने में सफल रही है।

वहीं, टॉस भी यहां काफी दिलचस्प साबित हुआ है। 8 में से 7 मैचों में टॉस जीतने वाली टीम ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया, लेकिन लक्ष्य का पीछा करने में ज्यादा सफलता नहीं मिली। ऐसे 7 मुकाबलों में से केवल 2 मैच ही चेज करने वाली टीम जीत सकी, जबकि 6 बार उसे हार का सामना करना पड़ा।

दुबई की पिच अब तक बल्लेबाजों के लिए बहुत आसान नहीं रही है। यहां की धीमी पिच पर स्पिन गेंदबाजों को काफी मदद मिलती दिखाई दी है। टूर्नामेंट में स्पिनर्स ने 5.1 की इकॉनमी से गेंदबाजी करते हुए 71 विकेट अपने नाम किए हैं। ऐसे में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले में स्पिन गेंदबाज अहम भूमिका निभा सकते हैं। बल्लेबाजों को रन बनाने के लिए धैर्य के साथ बल्लेबाजी करनी होगी और गलत शॉट से बचना होगा।

इस मैदान पर अब तक सिर्फ भारतीय टीम ही 150 या उससे ज्यादा का स्कोर बनाने में सफल रही है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां बड़ा स्कोर बनाना आसान नहीं है।

इसके अलावा दुबई की गर्मी और उमस भी खिलाड़ियों की परीक्षा ले सकती है। मैच के दौरान तापमान करीब 37 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। दुबई में भारतीय महिला टीम का रिकॉर्ड भी शानदार है। टीम इंडिया ने यहां 5 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं, जिसमें उसे 4 में जीत मिली है और सिर्फ एक मैच में हार का सामना करना पड़ा है। भारत को यहां पिछली हार 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली थी। इसके बाद टीम ने दुबई में लगातार चार मुकाबले जीते हैं। ऐसे में भारत के मजबूत रिकॉर्ड, शानदार फॉर्म और दुबई की पिच के आंकड़ों को देखते हुए पाकिस्तान के सामने बड़ी चुनौती रहने वाली है।

रोडीज 21' में नहीं दिखेंगी फरहाना भट्ट

यूनिक समय, नई दिल्ली। 'बिग बॉस 19' की रनर-अप और 'खतरों के खिलाड़ी 15' की कंटेस्टेंट फरहाना भट्ट इन दिनों अपनी प्रोफेशनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं।

हाल ही में उनके 'रोडीज 21' में गैंग लीडर के तौर पर शामिल होने की खबरें सामने आ रही थीं। अब फरहाना ने खुद इन चर्चाओं पर विराम लगा दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साफ कर दिया कि वह 'रोडीज 21' के इस सीजन में गैंग लीडर नहीं बनने वाली हैं। फरहाना ने फैंस के सवालों का जवाब देते हुए लिखा कि जो लोग उनसे 'रोडीज' को लेकर पूछ रहे हैं, उनके लिए वह एक छोटी सी सफाई देना चाहती हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वह इस सीजन में गैंग लीडर के तौर पर शो का हिस्सा नहीं होंगी। इसके साथ ही फरहाना ने यह भी बताया कि उन्होंने फिलहाल एडवेंचर रियलिटी शोज से

गैंग लीडर बनने की खबरों पर लगाया ब्रेक

थोड़ा ब्रेक लेने का फैसला किया है। 'खतरों के खिलाड़ी 15' में उन्होंने अपनी पूरी ताकत लगाई और अब उनका कहना है कि इस शो ने उनसे काफी ऊर्जा ताकत और भावनाएं ले ली हैं।

ऐसे में वह कुछ समय आराम करने, खुद को रिचार्ज करने और दूसरी चीजें आजमाने में बिताना चाहती हैं। हालांकि, फरहाना ने एडवेंचर शोज से हमेशा के लिए दूरी बनाने की बात नहीं कही है। उन्होंने भविष्य में दोबारा ऐसे किसी शो में लौटने की संभावना खुली रखी है। उनका कहना है कि सही समय और सही चुनौती मिलने पर वह फिर एडवेंचर रियलिटी शो का हिस्सा बन सकती हैं।

केबीसी में अक्षय ने अमिताभ को दिया ऐसा सरप्राइज, घबरा गए बिग बी

बोले, आग के साथ कभी मजाक मत करना

यूनिक समय, नई दिल्ली। 'कौन बनेगा करोड़पति 18' का नया प्रोमो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। शो के आने वाले एपिसोड में अक्षय कुमार और सैफ अली खान अमिताभ बच्चन के सामने हॉट सीट पर नजर आने वाले हैं। इस दौरान अक्षय कुमार ने अपने अंदाज में बिग बी के साथ ऐसा मजेदार प्रैंक कर दिया कि अमिताभ बच्चन कुछ पल के लिए घबरा गए। इसके बाद उन्होंने अक्षय को नेशनल टेलीविजन पर आग से जुड़ी एक खास हिदायत भी दे डाली। वायरल प्रोमो की शुरुआत अमिताभ बच्चन और अक्षय कुमार की मजेदार बातचीत से होती है। बिग बी खिलाड़ी कुमार से कहते हैं कि वह चार्ली चैप्लिन के बहुत बड़े फैन हैं। अक्षय भी इस बात पर सहमति जताते हैं। इसके बाद अमिताभ बच्चन उनसे पूछते हैं कि क्या वह अपने बटुए में चार्ली चैप्लिन की तस्वीर रखते हैं। अक्षय बताते हैं कि वह चार्ली चैप्लिन के बहुत बड़े प्रशंसक हैं। इसी बातचीत के दौरान अमिताभ उनसे बटुआ दिखाने के लिए कहते हैं।

अक्षय कुमार जब अपना बटुआ लेकर अमिताभ बच्चन के पास पहुंचते हैं तो एक मजेदार ट्विस्ट देखने को मिलता है। अक्षय बताते हैं कि उनके पर्स में अमिताभ बच्चन की भी तस्वीर मौजूद है। अपनी तस्वीर पर्स में देखकर बिग बी काफी खुश नजर आते हैं। लेकिन अगले ही पल कुछ ऐसा होता है जिसकी उम्मीद शायद अमिताभ बच्चन को भी नहीं थी।

अक्षय कुमार जैसे ही अपना पर्स अमिताभ बच्चन को देने की कोशिश करते हैं, उसमें अचानक आग निकलने लगती है। यह देखकर बिग बी घबरा जाते हैं। अक्षय बिल्कुल मजाकिया अंदाज में कहते हैं कि सर, ये कभी-कभी हो जाता है। आग निकलता हुआ पर्स देखकर अमिताभ बच्चन तुरंत सतर्क हो जाते हैं। इस पूरे प्रैंक का वीडियो देखकर दर्शकों की हंसी भी नहीं रुक रही है। प्रैंक खत्म होने के बाद अमिताभ बच्चन अक्षय कुमार को समझाते हुए नजर आते हैं।

बिग बी कहते हैं, "आप फिर वही, आग के साथ खेल रहे हैं। नहीं, मजाक नहीं, मजाक नहीं। आग के साथ कभी मजाक मत किया कीजिए।

इस पर अक्षय हंसते हुए जवाब देते हैं कि वह आग के साथ नहीं, बल्कि अमिताभ बच्चन के साथ मजाक कर रहे थे। 'कौन बनेगा करोड़पति 18' का यह प्रोमो सामने आने के बाद फैंस को अक्षय और अमिताभ की यह मजेदार जुगलबंदी काफी पसंद आ रही है। दोनों सितारों की यह मस्ती शो के आगामी एपिसोड को और भी खास बनाने वाली है।

तलवार, ढाल और फाइटर जेट ने बढ़ाई हलचल

यूनिक समय, नई दिल्ली। साउथ सिनेमा के सुपरस्टार मोहनलाल ने अपनी अगली फिल्म को लेकर बड़ा ऐलान कर दिया है। लंबे समय से चर्चा में चल रहे इस प्रोजेक्ट का नाम अब सामने आ गया है। मोहनलाल की अपकमिंग फिल्म का टाइटल 'ऑपरेशन गंगा' रखा गया है। फिल्म का पहला पोस्टर सामने आते ही सोशल मीडिया पर चर्चा तेज हो गई है। पोस्टर में किसी कलाकार का चेहरा नजर नहीं आ रहा, बल्कि एक विशाल महिला प्रतिमा, तलवार, ढाल और फाइटर जेट जैसे दमदार विजुअल्स दिखाई दे रहे हैं। इन तस्वीरों ने फिल्म की कहानी को लेकर फैंस की उत्सुकता बढ़ा दी है।

'ऑपरेशन गंगा' का निर्देशन फिल्ममेकर विष्णु मोहन कर रहे हैं। यह मोहनलाल और विष्णु मोहन का साथ में पहला प्रोजेक्ट है। विष्णु मोहन ने साल 2022 में मलयालम फिल्म 'मेप्पडियान' से बतौर निर्देशक डेब्यू किया था। इस फिल्म में उन्नी मुकुंदन मुख्य भूमिका में नजर आए थे। 'मेप्पडियान' के लिए विष्णु मोहन को 69वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स में बेस्ट डेब्यू फिल्म ऑफ ए डायरेक्टर का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला था। फिल्म के फर्स्ट-लुक पोस्टर की बात करें तो

मोहनलाल की 'ऑपरेशन गंगा' में अर्जुन रामपाल की एंट्री

इसमें शहर के बीच एक विशाल महिला प्रतिमा दिखाई देती है। प्रतिमा के एक हाथ में तलवार और दूसरे में ढाल है। इसके आसपास घने बादल छाए हुए हैं, जबकि पास में एक फाइटर जेट भी नजर आ रहा है।

पोस्टर का पूरा विजुअल देशभक्ति, सैन्य अभियान और एक्शन से जुड़ी कहानी की तरफ इशारा करता है। पोस्टर पर फिल्म का नाम बड़े अक्षरों में लिखा है और नीचे 'अ नेशन्स प्रॉमिस' टैगलाइन दी गई है। फिल्म की स्टारकास्ट भी काफी दमदार है। मोहनलाल के साथ अर्जुन रामपाल, भाग्यश्री बोर्से, पार्थिबन और आदिल हुसैन नजर आएंगे। वहीं 'धुरंधर' फेम शाश्वत सचदेव को फिल्म का म्यूजिक कंपोजर बनाया गया है। उनके नाम के सामने आते ही फैंस फिल्म के संगीत को लेकर भी उत्साहित नजर आ रहे हैं। मोहनलाल ने हाल ही में अपनी कई फिल्मों का ऐलान किया था और अब 'ऑपरेशन गंगा' ने उनकी आगामी फिल्मों की लिस्ट में खास जगह बना ली है।

47 साल की उम्र में इमरान ताहिर का जलवा

सीपीएल छः में गयाना ने लगातार 5वीं जीत से मचाया धमाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 में 47 साल के इमरान ताहिर की कप्तानी वाली गयाना अमेजन वॉरियर्स का शानदार प्रदर्शन जारी है। टीम ने टूर्नामेंट में लगातार पांचवीं जीत दर्ज करते हुए अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखा है। सीपीएल 2026 के 26वें मुकाबले में गयाना अमेजन वॉरियर्स ने जमैका किंग्समेन को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ गयाना की टीम ने मौजूदा सीजन में अपना 100 प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड कायम रखा है और पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। मुकाबले में जमैका किंग्समेन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट गंवाकर 159 रन बनाए। टीम की शुरुआत ठीक रही, लेकिन मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। सलामी बल्लेबाज माज सदाकत ने 34 गेंदों पर 35 रन बनाए। इसके बाद हसन खान ने मोर्चा संभाला और महज 29 गेंदों में 62 रन की तूफानी पारी खेलकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। अपनी पारी में उन्होंने 2 चौके और 6 छक्के लगाए। केसी कार्टी ने 18, कीमो पॉल ने 15 और ओडियन स्मिथ ने 13 रन का योगदान दिया। 160 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गयाना अमेजन वॉरियर्स को उसके सलामी बल्लेबाजों ने तेज शुरुआत दिलाई। मवेंद्र दिनदयाल और रहमानुल्लाह गुरबाज ने पहले विकेट के लिए 46 रन जोड़े। दिनदयाल ने 33 रन बनाए, जबकि गुरबाज ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से मैच का रुख गयाना के पक्ष में कर दिया। गुरबाज ने 35 गेंदों पर 54 रन बनाए, जिसमें 5 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। गुरबाज के आउट होने के बाद शे होप और शिमरोन हेटमायर ने पारी को संभाल लिया। दोनों ने बिना किसी दबाव के बल्लेबाजी करते हुए टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। शे होप 39 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि हेटमायर ने सिर्फ 17 गेंदों पर नाबाद 30 रन की विस्फोटक पारी खेली। गयाना ने 17.2 ओवर में 2 विकेट खोकर 160 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। इमरान ताहिर की कप्तानी में गयाना की यह लगातार पांचवीं जीत है। खास बात यह है कि टीम ने अभी तक इस सीजन एक भी मुकाबला नहीं गंवाया है। इससे पहले ताहिर की अगुवाई में गयाना अमेजन वॉरियर्स लगातार दूसरी बार ग्लोबल सुपर लीग का खिताब भी जीत चुकी है। ऐसे में सीपीएल में टीम के लगातार शानदार प्रदर्शन ने खिताब की उम्मीदों को और मजबूत कर दिया है।

सड़क डूबी तो व्यवस्था भी डूब गई, चारपाई से अस्पताल पहुंची प्रसूता

यूनिक समय, आगरा। फतेहाबाद क्षेत्र के रामदास की ठार चाचीपुरा खंडेर गांव में शुक्रवार रात बारिश के बाद जलभराव ने सरकारी व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। प्रसव पीड़ा से कराह रही महिला को अस्पताल पहुंचाने के लिए एंबुलेंस बुलाई गई, लेकिन गांव तक पहुंचने के बाद वह पानी से भरे रास्ते में आगे नहीं बढ़ सकी।

ऐसे में जिस एंबुलेंस से प्रसूता को अस्पताल पहुंचना था, उसी तक पहुंचने के लिए परिजनों को चारपाई का सहारा लेना पड़ा।

बदहाल रास्ते से वाहन आगे नहीं बढ़ा, जलभराव में फंसी एंबुलेंस

परिजन आधा किलोमीटर पैदल चले

ग्रामीणों ने प्रशासन पर लगाया अनदेखी का आरोप

गांव निवासी बबलू की पत्नी रीना को रात करीब साढ़े आठ बजे प्रसव पीड़ा शुरू हुई। परिजनों ने तुरंत एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस गांव पहुंची, लेकिन रास्ते में इतना पानी भरा था कि वाहन आगे ले जाना संभव नहीं था। प्रसूता की हालत को देखते हुए परिजनों ने रीना को चारपाई पर लिटाया और कंधों पर उठाकर करीब आधा किलोमीटर तक जलभराव के बीच पैदल चले। इसके बाद उसे एंबुलेंस तक पहुंचाया गया और अस्पताल ले जाया गया।

घटना के बाद ग्रामीणों में जिम्मेदार विभागों के प्रति नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश होते ही गांव के रास्ते तालाब में तब्दील हो जाते हैं। आवागमन के साथ मरीजों और गर्भवती महिलाओं को भी परेशानी उठानी पड़ती है।

ग्रामीणों के मुताबिक, 21 अगस्त को स्याहीराम का शव भी चारपाई पर रखकर गांव तक लाना पड़ा था। लगातार सामने आ रही इन घटनाओं के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ है। लोगों ने सड़क और जलनिकासी व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है।

सहारनपुर कलेक्ट्रेट की मस्जिद पर चला बुलडोजर

यूनिक समय, सहारनपुर। कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित करीब 70 साल पुरानी मस्जिद के खिलाफ शनिवार तड़के प्रशासन ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की। सुबह करीब चार बजे छह बुलडोजर मौके पर पहुंचे। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस, पीएसी और आरएएफ के करीब 200 जवान तैनात किए गए। प्रशासन के अनुसार, न्यायालय के आदेश के बाद कार्रवाई की जा रही है।

मामले में फरवरी 2025 में मस्जिद को अवैध बताते हुए शिकायत की गई थी। जांच के बाद नगर मजिस्ट्रेट न्यायालय ने जुलाई 2026 में निर्माण हटाने और 6.41 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति वसूलने का आदेश दिया था। मस्जिद पक्ष ने जिला न्यायालय में चुनौती दी। दो सितंबर को जिला

न्यायाधीश की अदालत ने नगर मजिस्ट्रेट के आदेश को बरकरार रखते हुए याचिका खारिज कर दी।

कार्रवाई के विरोध में आने वाली कैराना सांसद इकरा हसन को पुलिस ने रोककर नजरबंद कर दिया। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कार्रवाई को गलत बताते हुए कहा कि वे न्यायालय में

अवैध निर्माण बताकर प्रशासन ने शुरू की ध्वस्तीकरण कार्रवाई

अखिलेश, ओवैसी और मायावती ने कार्रवाई पर जताया विरोध

लड़ाई जारी रखेंगे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि सच्चा हिंदू दूसरे धर्म का अपमान नहीं करता। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने धार्मिक स्वतंत्रता को लेकर सवाल उठाए। बसपा प्रमुख मायावती ने भी सरकार से कार्रवाई तत्काल रोकने की अपील की।

बेटी को मुर्गा बनाने पर भड़का पिता, प्रधानाचार्य को पीटा

देर से स्कूल पहुंचने पर छात्रा को दी गई थी सजा

प्रधानाचार्य की तहरीर पर मुकदमा, आरोपी की तलाश जारी

यूनिक समय, गोरखपुर। गोला क्षेत्र के खिरकिटा दुबे स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय में कक्षा छह की छात्रा को देर से स्कूल पहुंचने पर सजा देना प्रधानाचार्य को भारी पड़ गया। छात्रा के पिता ने स्कूल पहुंचकर प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार के साथ मारपीट की और स्कूल में तोड़फोड़ कर दी। घटना एक सितंबर की बताई गई है, जबकि मामला तीन सितंबर को पुलिस तक पहुंचा।

प्रधानाचार्य के अनुसार, छात्रा के देर से पहुंचने पर अनुशासन के लिए

उसे कुछ देर मुर्गा बनाया गया था। घर पहुंचने पर छात्रा ने इसकी जानकारी पिता दिलीप कुमार को दी। आरोप है कि पिता स्कूल पहुंचा और सजा का कारण पूछने के बाद कहासुनी करने लगा। समझाने पर उसने प्रधानाचार्य को थप्पड़ मारे और उनकी शर्ट फाड़ दी। शिक्षकों ने बीच-बचाव कर प्रधानाचार्य को बचाया। आरोप है कि पिता ने स्कूल में तोड़फोड़ कर सरकारी सामान को भी नुकसान पहुंचाया। गोला थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रोडवेज बस ने तीन दोस्तों को कुचला, तीनों की मौत

यूनिक समय, कन्नौज। गुरसहायगंज में जन्माष्टमी की झांकी देखकर लौट रहे तीन दोस्तों की सड़क हादसे में मौत हो गई। तीनों एक ही बाइक पर सवार थे। डुडवाबुजुर्ग कट के पास तेज रफ्तार रोडवेज बस ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक बस लेकर फरार हो गया।

घटना शनिवार रात करीब डेढ़ बजे की बताई गई है। बैसनपुरवा निवासी अनुराग (18) और आशीष (15) तथा अमोलर निवासी अमन (18) बाइक से गुरसहायगंज गए थे। लौटते

जन्माष्टमी की झांकी देखकर बाइक से लौट रहे थे तीनों दोस्त

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आधे घंटे नहीं पहुंचे चिकित्सक

हादसे के बाद चालक फरार

समय राष्ट्रीय राजमार्ग के पूर्वी बाईपास पर उनकी बाइक को बस ने टक्कर मार दी। तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों को गुरसहायगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। आरोप है कि वहां ड्यूटी पर चिकित्सक मौजूद नहीं थे। ग्रामीणों के अनुसार, चिकित्सक को सूचना दिए जाने के बावजूद करीब आधे घंटे बाद पहुंचे। तब तक तीनों की मौत हो चुकी थी।

पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे की जानकारी मिलते ही परिवारों में कोहराम मच गया। ग्रामीणों ने अस्पताल की व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

सत्याग्रह में रानी पक्षालिका पर टिप्पणी से हंगामा

यूनिक समय, आगरा। शहीद स्मारक पर यूजीसी के नए नियमों की वापसी और आरक्षण व्यवस्था में बदलाव की मांग को लेकर चल रहे सत्याग्रह में शनिवार को उस समय विवाद हो गया, जब भाजपा विधायक रानी पक्षालिका सिंह पर टिप्पणी को लेकर क्षत्रिय समाज के लोग नाराज हो गए। दोपहर करीब दो बजे प्रदर्शनकारियों के बीच बहस शुरू हो गई। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि मंच से केवल ब्राह्मण नेताओं के नाम लिए गए, जबकि आंदोलन में क्षत्रिय समाज समेत कई संगठनों की भागीदारी है। विधायक रानी पक्षालिका सिंह और आगरा दक्षिण विधायक योगेंद्र उपाध्याय के नाम को लेकर भी सवाल उठाए गए। नाराज क्षत्रिय समाज के कुछ लोग प्रदर्शन स्थल से बाहर चले गए।

गौतम अडानी के बेटे ने किया ताजमहल का दीदार

यूनिक समय, आगरा। उद्योगपति गौतम अडानी के बेटे करण अडानी ने शनिवार को पत्नी परिधि अडानी, बच्चों और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ ताजमहल का दीदार किया। सुबह करीब साढ़े दस बजे ताजमहल पहुंचे अडानी परिवार ने आम पर्यटकों की तरह स्मारक का भ्रमण किया।

डायना बेंच पर फोटो खिंचवाने पहुंचे परिवार के सामने पहले से कुछ पर्यटक तस्वीरें खिंचवा रहे थे। अडानी परिवार के साथ आए लोगों ने पर्यटकों को हटाने का प्रयास किया, लेकिन करण अडानी की पत्नी परिधि ने सादगी और शालीनता दिखाते हुए पर्यटकों से पहले फोटो कराने को कहा। इसके बाद पर्यटकों ने तस्वीरें खिंचवाईं और फिर अडानी परिवार ने फोटो शूट कराया।

पत्नी के साथ डायना बेंच पर कराया फोटोशूट

पर्यटकों से कहा- पहले आप फोटो करा लो

मुख्य मकबरे का भी किया भ्रमण

इसके बाद करण अडानी परिवार के साथ ताजमहल के मुख्य मकबरे पर पहुंचे। उन्होंने गाइड से ताजमहल के इतिहास और पच्चीकारी की जानकारी ली। करीब एक घंटे तक परिवार ताजमहल परिसर में रहा। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे और निजी सुरक्षाकर्मियों के साथ ताज सुरक्षा के जवान भी मौजूद रहे।

सीएम योगी ने सेल्फी वीडियो से शिक्षकों को दी शुभकामनाएं

ज्ञान परंपरा से नई पीढ़ी का भविष्य गढ़ रहे शिक्षक

यूनिक समय, लखनऊ। शिक्षक दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी शिक्षकों और गुरुजनों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने शनिवार को अपने सामाजिक माध्यम पर साझा किए गए स्वनिर्मित वीडियो संदेश में शिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की समृद्ध ज्ञान परंपरा को आधुनिक शिक्षा के माध्यम से नई पीढ़ी तक पहुंचाने में शिक्षक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश प्राचीन काल से ही ज्ञान, साधना और संस्कारों की पावन भूमि रहा है। काशी ने विश्व को ज्ञान का प्रकाश दिया, वहीं सारनाथ में भगवान बुद्ध ने अपना

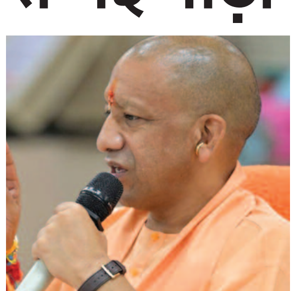

पहला उपदेश दिया। अयोध्या, मथुरा-वृंदावन और प्रयागराज भी भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रमुख केंद्र रहे हैं।

उन्होंने शुकतीर्थ और नैमिषारण्य की गौरवशाली परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि हजारों वर्ष पहले शुकतीर्थ में महर्षि शुकदेव ने श्रीमद्भागवत का वाचन किया था।

नैमिषारण्य में हजारों ऋषियों की साधना ने भारतीय ज्ञान परंपरा को समृद्ध किया। इसी भूमि से आयुर्वेद, अध्यात्म, दर्शन और भारतीय ज्ञान-विज्ञान की अनेक महान परंपराओं का विकास हुआ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश के शिक्षक इसी गौरवशाली विरासत को आधुनिक शिक्षा, तकनीक और नवाचार से जोड़कर विद्यार्थियों के भविष्य को आकार दे रहे हैं। बदलते समय में शिक्षा के क्षेत्र में नए प्रयोगों और आधुनिक साधनों का उपयोग विद्यार्थियों को बेहतर अवसर प्रदान कर रहा है।

योगी ने शिक्षकों का अभिनंदन

प्राचीन ज्ञान विरासत को आधुनिक शिक्षा से जोड़ रहे गुरुजन

तकनीक और नवाचार से विद्यार्थियों को नई दिशा दे रहे शिक्षक

करते हुए कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम का ज्ञान नहीं देते, बल्कि उनके व्यक्तित्व, संस्कार और सोच को भी दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने प्रदेश के सभी शिक्षकों के सुख, समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की।

मोदी ने शिक्षकों से पूछा, अच्छा वक्ता बनने का क्या है राज

राष्ट्रीय पुरस्कार पाने वाले शिक्षकों से प्रधानमंत्री ने किया संवाद

स्क्रीन समय और बच्चों के व्यवहार पर भी की चर्चा

यूनिक समय, नई दिल्ली। शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए चुने गए शिक्षकों से मुलाकात कर शिक्षा और बच्चों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री की बातचीत का पांच मिनट का वीडियो शनिवार को उनके यूट्यूब चैनल पर जारी किया गया। इस वर्ष तीन विभागों से 82 शिक्षकों और शिक्षण से जुड़े प्रशिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए चुना गया है। इनमें 48 विद्यालयी शिक्षक, उच्च शिक्षण संस्थानों और पॉलिटेक्निक के 21 संकाय सदस्य तथा कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के 13 कौशल प्रशिक्षक शामिल हैं। इनका चयन 27 राज्यों और सात केंद्र शासित प्रदेशों से किया गया है।

बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने बच्चों को सार्वजनिक रूप से बोलना सिखाने वाली एक महिला शिक्षक से पूछा कि यदि वह उनकी विद्यार्थी हों और अच्छा वक्ता बनना चाहें तो क्या करें। शिक्षक ने जवाब दिया कि सबसे पहले आत्मविश्वास जरूरी है। प्रधानमंत्री ने मुस्कुराते हुए पूछा कि आत्मविश्वास कैसे आएगा। शिक्षक ने कहा कि इसके लिए लगातार अभ्यास करना पड़ता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बच्चों में स्क्रीन देखने की आदत एक तरह की लत बनती जा रही है। उन्होंने सुझाव दिया कि बच्चों को वीडियो खेलों के बजाय मैदान में वास्तविक खेलों के लिए प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने कहा कि इससे बच्चों को स्क्रीन की आदत से बाहर निकलने में मदद मिल सकती है।

ड्रेस कोड पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ बड़े शहरों और विश्वविद्यालयों में यह मुद्दा सामने आया है। कई बार नियम बिना पर्याप्त स्पष्टीकरण के लागू कर दिए जाते हैं। उन्होंने शिक्षकों से बच्चों के बदलते व्यवहार और उनके मन में पैदा होने वाली आशंकाओं को समझने की जरूरत पर भी जोर दिया।

वर्ष 2024 में प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार पाने वाले 82 शिक्षकों से मुलाकात की थी। तमिलनाडु की एक शिक्षिका से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा था कि लोगों में यह धारणा है कि वहां सभी लोग अंग्रेजी जानते हैं। उन्होंने मातृभाषा में शिक्षा पर जोर देने वाली नई शिक्षा नीति का उल्लेख किया था। वर्ष 2025 में प्रधानमंत्री ने दिल्ली में राष्ट्रीय पुरस्कार पाने वाले 45 शिक्षकों से मुलाकात की थी। करीब 35 मिनट के संवाद में वस्तु एवं सेवा कर में सुधार, ऑनलाइन खेलों से जुड़े कानून और आत्मनिर्भर भारत जैसे विषयों पर चर्चा हुई थी।

केरल में खड़ी लॉरी से भिड़ी कार हादसे में आठ लोगों की मौत

त्रिशूर में देर रात हुआ दर्दनाक सड़क हादसा

कार सवार सभी आठ लोगों ने मौके पर दम तोड़ा

यूनिक समय, नई दिल्ली। केरल के त्रिशूर जिले में शुक्रवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। हादसा कैपामंगलम के पनंबिक्कुन्नु इलाके में हुआ, जहां हाईवे के किनारे खड़ी लॉरी से एक कार टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार में सवार सभी आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार दुर्घटना रात करीब 11:40 बजे हुई। कार गुरुवायूर से कोडुंगलूर की ओर जा रही थी। इसी दौरान चालक का वाहन हाईवे पर खड़ी लॉरी से जा भिड़ा। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, अग्निशमन और बचाव दल मौके पर पहुंचा। स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया।

पुलिस ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोग पड़ोसी राज्य तमिलनाडु के रहने वाले छात्र बताए जा रहे हैं।

दुर्घटनाग्रस्त कार भी तमिलनाडु में पंजीकृत थी। हालांकि, मृतकों की पहचान और हादसे के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है। सभी शवों को त्रिशूर मेडिकल कॉलेज की मोर्चरी में भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि हाईवे किनारे लॉरी किस परिस्थिति में खड़ी थी।

बेल्जियम के पीएम ने ट्रंप की व्यापार नीति पर कसा तंज

मुंबई में संरक्षणवाद और बदलती शुल्क नीति पर साधा निशाना

मोदी की नेतृत्व क्षमता की तारीफ, व्यापार बढ़ाने पर जोर

यूनिक समय, नई दिल्ली। बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर ने भारत दौरे के दौरान बढ़ते संरक्षणवाद और बदलती शुल्क नीतियों पर बिना नाम लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधा। मुंबई में भारत–बेल्जियम उच्चस्तरीय संवाद के दौरान उन्होंने कहा कि कुछ देश व्यापारिक बाधाएं बढ़ाने और बाजार बंद करने की वकालत कर रहे हैं। उन्होंने ऐसे फैसलों को मनमाना बताते हुए खुले बाजार और नियम आधारित व्यापार व्यवस्था की जरूरत बताई। डी वेवर ने कहा कि कुछ लोग सोमवार को फैसला लेते हैं, बुधवार को वापस लेते हैं और शनिवार को फिर लागू कर देते हैं। इस टिप्पणी पर मौजूद लोगों ने तालियां बजाईं। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि तालियों से पता चल रहा है कि लोग समझ गए हैं कि वह किसकी बात कर रहे हैं।

बेल्जियम के प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने मोदी को दुनिया के सबसे प्रेरणादायक और समझदार नेताओं में बताया। उन्होंने कहा कि मौजूदा अनिश्चित वैश्विक माहौल में मोदी का नेतृत्व भरोसा पैदा करता है।

भारत और बेल्जियम रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, व्यापार और परिवहन सहित कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा रहे हैं। दोनों देशों ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार दोगुना करने का लक्ष्य भी तय किया है। डी वेवर फरवरी 2025 में प्रधानमंत्री बने थे और यह उनकी पहली भारत यात्रा है। उनके साथ रक्षा एवं विदेश व्यापार मंत्री थियो फ्रांकेन समेत उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है।

एआई की दुनिया में नया तूफान एस्ट्रा ने मचाई हलचल

जरूरत के हिसाब से क्लॉड जेमिनी भी उपयोगी विकल्प

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओपनएआई ने जीपीटी–6 एस्ट्रा को अपना नया शक्तिशाली कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल बताया है। इसे जटिल तर्क, कोडिंग, वैज्ञानिक शोध, गणित, कंप्यूटर संचालन और साइबर सुरक्षा जैसे कार्यों के लिए तैयार किया गया है। कंपनी के अनुसार, कई तकनीकी परीक्षणों में एस्ट्रा ने बेहतर प्रदर्शन किया है। इसकी खासियत यह है कि यह केवल सवालों के जवाब देने के बजाय कई चरणों वाले काम को स्वायत्त तरीके से पूरा करने में सक्षम है। एंथ्रोपिक का क्लॉड लंबे दस्तावेज, लेखन और प्रोग्रामिंग के लिए लोकप्रिय है। वहीं गूगल का जेमिनी जीमेल, डॉक्स, शीट्स, एंड्रॉयड और अन्य सेवाओं के साथ बेहतर तालमेल देता है। इसलिए तकनीकी और जटिल कार्यों में एस्ट्रा मजबूत विकल्प हो सकता है, जबकि लेखन के लिए क्लॉड और गूगल सेवाओं के उपयोगकर्ताओं के लिए जेमिनी अधिक सुविधाजनक साबित हो सकता है।

भालू से बचने में खाई में गिरीं दो महिलाएं

एक महिला की मौत, दूसरी गंभीर रूप से घायल हुई

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तराखंड के चमोली जिले में भालू के हमले से बचने की कोशिश में दो महिलाएं गहरी खाई में गिर गईं। हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि दूसरी गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना शुक्रवार सुबह पोखरी तहसील के सिदेली गांव से करीब 100 मीटर दूर हुई।

जानकारी के अनुसार, दोनों महिलाएं अपने मवेशियों के लिए जंगल में चारा लेने गई थीं। इसी दौरान अचानक भालू उनके सामने आ गया और उसने हमला कर दिया। जान बचाने की कोशिश में दोनों पहाड़ी से कई सौ फीट नीचे जा गिरीं। ग्रामीणों को घटना की जानकारी मिली तो उन्होंने दोनों को अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने 55 वर्षीय विमला देवी को मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो चुकी थी। वहीं 42 वर्षीय लक्ष्मी देवी गंभीर रूप से घायल हैं। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें श्रीनगर गढ़वाल स्थित बेस अस्पताल भेजा गया। घायल महिला को अस्पताल पहुंचाने के लिए हेलिकॉप्टर की व्यवस्था की गई थी, लेकिन खराब मौसम के कारण उड़ान नहीं भर सकी। इसके बाद उन्हें एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया।

दस दिन बाद मलबे से जिंदा निकली 60 वर्षीय महिला

बेट्रावती में बचाव दल ने सुरक्षित बाहर निकाला

जलविद्युत परियोजना क्षेत्र में चीनी नागरिक भी बचा

यूनिक समय, नई दिल्ली। भीषण आपदा के करीब दस से 11 दिन बाद नेपाल में राहत और बचाव अभियान के दौरान दो लोगों के जिंदा मिलने से उम्मीद की नई किरण जगी है। बेट्रावती में मलबे के नीचे दबे एक मकान से नेपाल के सशस्त्र पुलिस बल ने 60 वर्षीय महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। महिला कई दिनों से मलबे में फंसी हुई थी। कठिन परिस्थितियों के बावजूद बचाव दल ने अभियान जारी रखा और आखिरकार उसे जीवनदान देने में सफलता हासिल की।

इसी दौरान अपर त्रिशूली–1 जलविद्युत परियोजना के प्रभावित क्षेत्र से एक चीनी नागरिक को भी जिंदा बचाया गया। बचाव दलों ने प्रभावित इलाकों में लगातार तलाश अभियान चलाया था। इसी दौरान उसकी मौजूदगी का पता चला और उसे सुरक्षित बाहर निकाला गया। दोनों घटनाओं ने राहत एवं बचाव दलों का हौसला बढ़ाया है। साथ ही उन परिवारों के लिए भी उम्मीद कायम हुई है, जिनके परिजन अब तक लापता हैं। प्रभावित क्षेत्रों में बचाव अभियान अभी जारी है और संभावित स्थानों पर लोगों की तलाश की जा रही है।

मुंबई में दही हांडी का जोश, 85 लाख तक इनाम

दादर में महिला गोविंदाओं ने 50 फीट ऊंची हांडी फोड़ी

बोरीवली, ठाणे और घाटकोपर में लाखों के इनाम घोषित

यूनिक समय, नई दिल्ली। दही हांडी उत्सव को लेकर मुंबई में उत्साह चरम पर है। शहर के अलग–अलग इलाकों में गोविंदा पथक ऊंचाई पर टंगी हांडी फोड़ने के लिए पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतर चुके हैं। इस बार उत्सव में रोमांच के साथ इनामों की भी जमकर बारिश हो रही है। बोरीवली पूर्व में 85 लाख रुपये, ठाणे में 71 लाख और घाटकोपर में 51 लाख रुपये तक के पुरस्कार घोषित किए गए हैं।

दादर में महिला गोविंदा पथक ने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा। महिलाओं ने मानव पिरामिड बनाकर करीब 50 फीट ऊंचाई पर टंगी दही हांडी तक पहुंच बनाई। बेहतर तालमेल और उत्साह के साथ महिला गोविंदाओं ने महज पांच मिनट में हांडी फोड़ दी। हांडी टूटते ही पूरा इलाका 'गोविंदा रे गोपाला' के जयकारों से गूंज उठा। महिला पथक की इस उपलब्धि पर वहां मौजूद लोगों ने जमकर उत्साह बढ़ाया। मुंबई में अभी दही हांडी उत्सव की शुरुआत हुई है और दिनभर अलग–अलग क्षेत्रों में गोविंदा पथकों के रोमांचक प्रदर्शन देखने को मिलेंगे। इस बार बड़े पुरस्कारों ने प्रतियोगिता का उत्साह और बढ़ा दिया है। बोरीवली पूर्व के मागाठाणे दही हांडी आयोजन में विजेता पथक के लिए 85 लाख रुपये का पुरस्कार रखा गया है। ठाणे के स्वामी प्रतिष्ठान दही हांडी में 71 लाख और घाटकोपर में मनसे की भव्य दही हांडी प्रतियोगिता में 51 लाख रुपये का पुरस्कार घोषित है। भारी इनाम के कारण गोविंदा पथकों में जीत को लेकर खासा उत्साह नजर आ रहा है।

झीरम घाटी हमले में सभी दस आरोपी दोषी

यूनिक समय, नई दिल्ली। वर्ष 2013 के बहुचर्चित झीरम घाटी नक्सली हमले के मामले में विशेष एनआईए अदालत ने शनिवार को सभी दस आरोपियों को दोषी करार दिया। मामले में एक आरोपी की सुनवाई के दौरान मौत हो चुकी है। अदालत अब 16 सितंबर को दोषियों की सजा पर फैसला सुनाएगी। 25 मई 2013 को दरभा घाटी में माओवादियों ने कांग्रेस की परिवर्तन रैली पर हमला किया था। इसमें 32 लोगों की मौत और 30 से अधिक लोग घायल हुए थे। मृतकों में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महेंद्र कर्मा, नंद कुमार पटेल और विद्याचरण शुक्ल समेत कई प्रमुख नेता शामिल थे। बचाव पक्ष ने फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती देने की बात कही है।

'नंद घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की'

श्री द्वारकाधीश मंदिर में नंद उत्सव पर उपहार लुटाते मंदिर सेवायत एवं नंद बाबा–यशोदा के स्वरूप।

द्वारकाधीश मंदिर में धूमधाम से मनाया गया नंद महोत्सव

'नंद घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' के जयघोष से गूंजा मंदिर परिसर

राजाधिराज ने चांदी के पालने में दिए भक्तों को दर्शन

जन्मभूमि पर नंदोत्सव की धूम, लुटा कान्हा का प्रसाद

बधाई गीतों पर झूमे श्रद्धालु, खिलौने–मिष्ठान पाकर खिले चेहरे

यूनिक समय, मथुरा। पुष्टिमार्गीय संप्रदाय के प्रसिद्ध ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में नंद महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। नंदोत्सव के दौरान मंदिर परिसर 'नंद घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' और 'हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की' के जयघोष से गूंज उठा। सुबह नंद महोत्सव के दर्शन खुले। इसके बाद दोपहर 12 बजे मंगला, दोपहर 2 बजे ग्वाल श्रृंगार के साथ राजभोग के दर्शन हुए। सायंकाल 4:30 से पांच बजे तक शयन दर्शन के उपरांत मंदिर के पट बंद कर दिए गए। मंदिर के विधि- मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी बताया कि मंदिर के गोस्वामी वागीश कुमार की आज्ञा के अनुसार मंदिर में होने वाले सभी कार्यक्रमों किए जाते है। नंद महोत्सव के अवसर पर मंदिर के मुखिया सुधीर कुमार सहित अन्य मुखियाओं ने नंद बाबा और माता यशोदा का स्वरूप धारण किया, जबकि मंदिर के अन्य कर्मचारियों ने ग्वालों के वेश में उत्सव में सहभागिता की। ठाकुरजी को चांदी के पालने में विराजमान होकर भक्तों को मनोहारी दर्शन दिए। उत्सव के दौरान मंदिर के मुखिया की ओर से श्रद्धालुओं पर प्रसादी लुटाई गई। इसमें फल, फूल, वस्त्र, आभूषण, खिलौने और मिष्ठान शामिल रहे।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के अगले दिन शनिवार को श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर नंदोत्सव की धूम रही। श्रीभगवत भवन मंदिर परिसर को भव्य नंद भवन का स्वरूप दिया गया। बधाई गीतों, भजनों और संकीर्तन से पूरा परिसर गूंज उठा। हजारों ब्रजवासी और बाहर से आए श्रद्धालु उत्सव में शामिल हुए। नंदोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं ने बधाई गीतों पर भाव-विभोर होकर नृत्य किया। तालियों की गड़गड़ाहट और जयकारों से माहौल भक्तिमय हो गया। ऐसा लग रहा था जैसे श्रद्धालु स्वयं नंदबाबा और यशोदा मैया को लाला के जन्म की बधाई देने पहुंचे हों। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान की ओर से श्रद्धालुओं को खिलौने, वस्त्र, बर्तन, मिठाई समेत विभिन्न सामग्री बड़ी मात्रा में वितरित की गई। प्रसाद पाने के लिए बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में उत्साह दिखाई दिया। ब्रज के प्रसिद्ध गायक कलाकारों ने भागवत भवन में भजन और बधाई गायन प्रस्तुत किया। अपरान्ह में लीलामंच पर शालिनी शर्मा, जगदीश ब्रजवासी और उनके सहयोगियों ने भजन-बधाई गीत सुनाए। प्रस्तुतियों पर श्रद्धालु झूमते और नृत्य करते नजर आए।

नंदोत्सव पर गूंजे भजन, भक्तों ने श्रद्धालुओं को कराया प्रसाद

केशव देव मंदिर में लाला के जन्म की खुशी में नृत्य करतीं महिलाएं।

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा के जन्म के बाद ब्रज में मनाए जा रहे नंदोत्सव की खुशियां शनिवार को भी शहर में देखने को मिलीं। प्राचीन ठाकुर केशव देव मंदिर से जुड़े भक्तों की ओर से गौरी गोपाल आश्रम में भंडारे और भजन संध्या का आयोजन किया गया। धार्मिक आयोजन में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की और भजनों पर झूमते नजर आए। शुभारंभ भगवान गौरी गोपाल और ठाकुर केशव देव के चित्रपट के समक्ष पुष्प अर्पित कर किया गया। भजन संध्या में आगरा से आए मनमोहन ने 'तेरी माया का न पाया कोई पार, यह लीला तेरी तू ही जाने' भजन प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस मौके पर बनवारी लाल शर्मा, दीपक शर्मा ने कृष्ण भजनों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर राजकुमार अग्रवाल, वेद प्रकाश शमा, मुकेश सिंह, विशाल, गौरव, रोहित तिवारी, सुयश जैन सहित बड़ी संख्या में भक्त और श्रद्धालु मौजूद रहे।

मथुराधीश प्रभु मंदिर में धूमधाम से मनाया गया नंदोत्सव

यूनिक समय,मथुरा। भूतेश्वर स्थित श्रीजी बाबा आश्रम परिसर में विराजमान मथुराधीश प्रभु मंदिर में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के उपरांत नंदोत्सव भक्ति एवं पारंपरिक रीति–रिवाजों के साथ मनाया गया। ठाकुर के प्राकट्य की खुशी में आश्रम परिसर नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल के जयकारों से गुंजायमान हो गया। उत्सव के दौरान राधे–राधे संकीर्तन मंडल द्वारा बधाई गायन किया गया। मंदिर प्रबंधन और संतों द्वारा भक्तों के बीच खिलौने, वस्त्र, मिष्ठान, फल और दक्षिणा लुटाकर जन्मोत्सव की खुशियां बांटी गईं। कार्यक्रम में राधाकांत गोस्वामी, रमाकांत गोस्वामी, मुकुन्द गोस्वामी, मधुसूदन गोस्वामी सेवायत गण, गणमान्य नागरिक और भारी संख्या में स्थानीय भक्तगण उपस्थित रहे।

मथुराधीश प्रभु मंदिर में नंदोत्सव मनाते हुए

शनिवार को गोकुल बैराज पर नंद उत्सव मनाकर भंडारा लगाते लोग

छाता मिल में चीनी, इथेनॉल और बिजली उत्पादन का दावा

कलेक्ट्रेट सभागार में वार्ता करते कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण, विधायक पूरन प्रकाश, मेघश्याम सिंह, डीएम सीपी सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार।

यूनिक समय, मथुरा। छाता चीनी मिल परियोजना को लेकर चल रहे धरना–प्रदर्शन के बीच कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण ने शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रेसवार्ता कर परियोजना को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि छाता में बनने वाला संयंत्र प्रदेश की अनूठी परियोजना होगी, जहां एक ही परिसर में चीनी, इथेनॉल और बिजली का उत्पादन किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जल्द इसका शिलान्यास करेंगे। मंत्री ने बताया कि परियोजना में दोहरी क्षमता वाला इथेनॉल संयंत्र लगाया जाएगा। गन्ना पेराई के दौरान गन्ने से इथेनॉल बनाया जाएगा, जबकि सीजन समाप्त होने के बाद मक्का और धान जैसे अनाज से भी इसका उत्पादन होगा। उन्होंने बताया कि 2022 के चुनाव के बाद परियोजना का बजट मंजूर हुआ था। इसके बाद छह बार निविदाएं निकाली गईं, लेकिन उपयुक्त निविदा नहीं मिली। अब मजबूत नई योजना तैयार है और अगले गन्ना सीजन तक काम शुरू होने की उम्मीद है। मंत्री ने आंदोलनकारियों से धरना समाप्त कर सहयोग करने की अपील की।

गठबंधन धर्म पर टिप्पणी बर्दाश्त नहीं: रालोद

मथुरा। रालोद जिलाध्यक्ष प्रीतम सिंह ने कैबिनेट मंत्री लक्ष्मीनारायण चौधरी के बयान पर पलटवार किया। उन्होंने रालोद, जाट समाज और अखिलेश यादव पर टिप्पणी को गठबंधन धर्म के खिलाफ बताया। कहा कि रालोद किसान, मजदूर और सभी वर्गों की आवाज है। बंद छाता चीनी मिल शुरू कराने की मांग भी उठाई।

बांकेबिहारी मंदिर में नंदोत्सव, लुटी कान्हा की खुशियां

बधाई गीतों से गूंजा मंदिर, भक्तों पर बरसे उपहार

लाला की छीछी पाने को उमड़े श्रद्धालु, झूमे भक्त

यूनिक समय, वृंदावन। 'नंद घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की'... बधाई गीतों और जयकारों के बीच शनिवार को ठा. बांकेबिहारी मंदिर में नंदोत्सव का उल्लास देखते ही बना। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के बाद कान्हा के जन्म की खुशी में मंदिर परिसर भक्ति और आनंद के रंग में रंगा नजर आया। सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु नंदोत्सव में शामिल होने के लिए मंदिर पहुंचे।

नंदोत्सव के दौरान मंदिर में बधाई गीतों की गूंज सुनाई देती रही। महिलाओं ने बधाई गीतों पर जमकर नृत्य किया। श्रद्धालु भी कान्हा के जन्म की खुशी में झूमते और जयकारे लगाते नजर आए। पूरे मंदिर परिसर में ऐसा माहौल बना रहा, मानो नंद बाबा के घर स्वयं लल्ला के जन्म की खुशियां मनाई जा रही हों। उत्सव के दौरान सेवायतों ने श्रद्धालुओं पर टॉफी, चॉकलेट और खिलौने लुटाए। जैसे ही सेवायतों ने उपहार लुटाना शुरू किया, उन्हें पाने के लिए भक्तों में उत्साह उमड़ पड़ा। श्रद्धालु उपहार पाने के लिए आगे बढ़ते नजर आए। बच्चों में खिलौने और टॉफी पाने को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया।

इसके बाद मंदिर में हल्दी और केसर मिश्रित दही की 'लाला की छीछी' लुटाई गई। इस अनूठी परंपरा में शामिल होने के लिए श्रद्धालुओं में होड़ मच गई। भक्त दही को कान्हा के बाल स्वरूप का प्रसाद और आशीर्वाद मानकर पाने के लिए आतुर दिखाई दिए। ठा. बांकेबिहारी मंदिर के साथ वृंदावन के प्राचीन राधादामोदर मंदिर में भी नंदोत्सव धूमधाम से मनाया गया। यहां भी बधाई गीतों और भजनों से मंदिर गूंजता रहा। श्रद्धालुओं ने नृत्य कर कान्हा के जन्म की खुशियां मनाईं। वृंदावन के मंदिरों में दिनभर उत्सव और भक्ति का माहौल बना रहा।